उज्जैन
मंगलवार
22
सितम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-319
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 इंदौर में यूपीआई चार्ज के विरोध में सड़क पर उतरे व्यापारी

7 टीम इंडिया का आज जापान से टी-20 मुकाबला सानो में

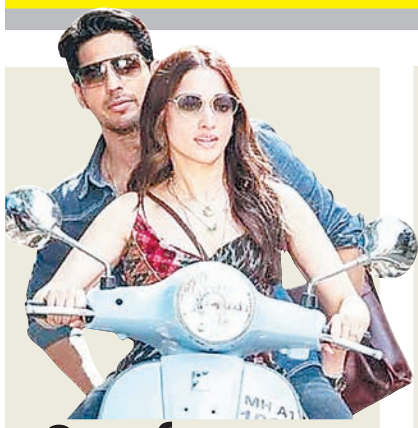

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म 'वन' विवादों में फंसी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपनी रिलीज से ठीक पहले कानूनी विवाद में फंस गई है। गायक और वोकलिस्ट सरगम वैश ने फिल्म के मेकर्स पर बिना अनुमति के ट्रेलर में उनका ओरिजिनल गाना 'ऐगिरी नंदिनी' इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। सरगम वैश ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके फिल्म की टीम से ट्रेलर से अपना म्यूजिक तुरंत हटाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पूरी न होने पर उनकी लीगल टीम कानूनी रास्ता अपनाएगी। यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सरगम वैश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो और पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स से सीधे सवाल किए हैं। उन्होंने लिखा कि जब उन्होंने 'वन' का ट्रेलर देखा, तो पता चला कि उनका ओरिजिनल गाना बिना उनकी सहमति या अनुमति के इसमें इस्तेमाल किया गया है। सरगम का कहना है कि उन्होंने फिल्म के ट्रेलर या प्रमोशन के लिए अपने गाने के इस्तेमाल की कोई मंजूरी नहीं दी थी।

देश

- **भारतीय निर्यातकों** की बल्ले-बल्ले, न्यूजीलैंड में जीरो टैक्स पर बिकेगा सामान, छात्रों-युवाओं को वीजा में छूट
- **हिमाचल में** दर्दनाक सड़क हादसा, शादी से लौट रहे थे, खाई में गिरी कार, एनएच-305 हादसे में चार की मौत; एक घायल
- **कांग्रेस नेता** सोनिया गांधी पर एफआईआर मामला, दिल्ली कोर्ट ने मजिस्ट्रेट का आदेश किया रद्द
- **बिहार संपर्क क्रांति** एक्सप्रेस ट्रेन पर हमला, पथराव, किसी की आंख फूटी तो किसी की ठुड्डी फटी
- **दिल्ली के कालकाजी** में नाबालिग से गैंगरेप, दर्शन कर दोस्त के साथ पार्क गई, 3 युवकों ने पुलिसकर्मी बनकर धमकाया, एक गिरफ्तार
- **केतन हत्याकांड** में पिता बोले- सिया के परिवार पर शक, पेरेंट्स, चाचा-चाची और भाई भी साजिश में शामिल, चार्जशीट की कॉपी सहित 5 मांगें रखीं

विदेश

- **ट्रम्प जंग** के बीच ईरानी राष्ट्रपति से मिल सकते हैं, यूएन में आज से जनरल डिबेट, 193 देशों के नेता जुटेंगे
- **व्हाइट हाउस** ने ट्रम्प टीवी लॉन्च किया, 3 मीडिया हाउस पर बैन के बाद टीवी नेटवर्क्स ने राष्ट्रपति के लाइव कवरेज पर रोक लगाई
- **चीन का** एआई में बड़ा निवेश, लेकिन अर्थव्यवस्था कमजोर, कार-घर की बिक्री घटी, युवाओं में बेरोजगारी 18.9%
- **अमेरिका में** श्वेत गुट भारतीयों की जासूसी कर रहे, मिडटर्म चुनाव के दौरान हेट क्राइम 30% बढ़ने का खतरा, ट्रम्प भी बना सकते हैं इमिग्रेशन को मुद्दा

व्यापार

- **सेंसेक्स में** 100 अंक की बढ़त, 74,900 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 50 चढ़ा, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा खरीदारी
- **आईफोन 18प्रो** दुबई में भारत से 33,000 रुपये सस्ता, फ्लाइट और वीजा खर्च के बाद भी पैसे बच जाएंगे

कार्टून..

भाजपा नेता एवं अधिवक्ता दीपक बेलपत्री ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका, निर्वाचन निरस्त करने की मांग

घनश्याम सिंह के चुनावी शपथपत्र पर उठे सवाल, 1991 के प्रकरण की जानकारी छिपाने का आरोप

ब्रह्मास्त्र ▸▸ दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित हुए घनश्याम सिंह के चुनावी शपथपत्र को लेकर नया विवाद सामने आया है। भाजपा नेता एवं अधिवक्ता दीपक बेलपत्री ने आरोप लगाया है कि घनश्याम सिंह ने अपने नामांकन के साथ प्रस्तुत किए गए चुनावी शपथपत्र में वर्ष 1991 के एक आपराधिक प्रकरण की जानकारी का उल्लेख नहीं किया। इस मामले को लेकर 17 सितंबर 2026 को जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर किए जाने की जानकारी सामने आई है।

दो अन्य मामलों का किया उल्लेख

याचिका में यह भी सवाल उठाया गया है कि घनश्याम सिंह ने अपने वर्तमान चुनावी शपथपत्र में दो अन्य लंबित आपराधिक मामलों का उल्लेख किया है, ऐसे में यदि 1991 के प्रकरण में उनका नाम दर्ज था तो उसका उल्लेख शपथपत्र में क्यों नहीं किया गया। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने उनके निर्वाचन की वैधता पर सवाल उठाए हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि 21 मई 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद दतिया में हुए चक्का-जाम से जुड़े प्रकरण में करीब 22 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इस प्रकरण में घनश्याम सिंह का नाम भी शामिल था, लेकिन 30 जुलाई 2026 को हुए दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय दिए गए शपथपत्र में इस पुराने आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी गई।

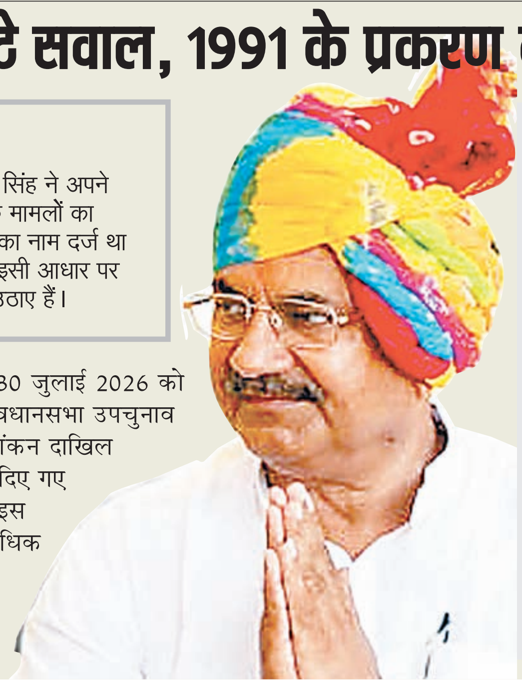

अदालत के फैसले पर टिकी नजर

- हालांकि, फिलहाल यह मामला न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है और 1991 के प्रकरण को शपथपत्र में जानबूझकर छिपाने का आरोप अभी न्यायिक रूप से सिद्ध नहीं हुआ है। हाईकोर्ट याचिका पर सुनवाई के दौरान उपलब्ध दस्तावेजों और तथ्यों की जांच करेगा। इसके बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित प्रकरण में घनश्याम सिंह का नाम किस स्थिति में था, क्या उसकी जानकारी शपथपत्र में देना अनिवार्य था और इसका उनके निर्वाचन पर कोई कानूनी प्रभाव पड़ता है या नहीं।
- यदि न्यायालय निर्वाचन को निरस्त करने योग्य कोई कानूनी आधार पाता है और निर्वाचन निरस्त होता है, तो दतिया विधानसभा सीट पर दोबारा उपचुनाव की स्थिति बन सकती है। फिलहाल इस संबंध में अंतिम निर्णय न्यायालय के आदेश पर निर्भर करेगा।
- दतिया के राजनीतिक हलकों में अब इस याचिका को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद सामने आया यह कानूनी विवाद आने वाले दिनों में दतिया की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

मीडिया को कर रहे परेशान : मीडिया और प्रशासन के रिश्तों को लेकर भी उठ रहे सवाल

भाजपा के गढ़ में भीतर से उठते सवाल, सत्ता और संगठन के बीच तालमेल की परीक्षा

मध्यप्रदेश में एक ओर कांग्रेस अपने संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की कोशिश में जुटी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजनीति में एक ओर कांग्रेस अपने संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी ओर भाजपा के भीतर वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, किसानों और जमीनी कार्यकर्ताओं से जुड़े असंतोष की चर्चाएं राजनीतिक बहस का हिस्सा बन रही हैं। ऐसे माहौल में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना सत्तारूढ़ दल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा ने मध्यप्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन लंबे समय में तैयार की है। बूथ स्तर तक फैला संगठन, कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और लगातार जनसंपर्क उसकी प्रमुख संगठनात्मक विशेषताओं में रहे हैं। ऐसे में सत्ता में आने के बाद सरकार और संगठन के बीच संवाद तथा कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं का प्रबंधन भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

वरिष्ठ नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण- किसी भी बड़े राजनीतिक संगठन में वरिष्ठ नेताओं का अनुभव और स्थानीय स्तर पर उनका प्रभाव महत्वपूर्ण होता है। यदि नेताओं या जनप्रतिनिधियों की नाराजगी सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने लगे तो उसका राजनीतिक संदेश संगठन के निचले स्तर तक पहुंच सकता है। हालांकि किसी नेता के किसी कार्यक्रम में मौजूद न रहने, बयान देने या राजनीतिक दूरी जैसे किसी एक घटनाक्रम को अपने आप में संगठनात्मक असंतोष का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसके लिए संबंधित नेताओं के स्पष्ट बयान और लगातार सामने आने वाले तथ्य अधिक महत्वपूर्ण होंगे।

किसानों के मुद्दे भी बने रहेंगे महत्वपूर्ण- मध्यप्रदेश की राजनीति में किसान और ग्रामीण मतदाता महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। फसल, खरीद, भुगतान, बिजली, सिंचाई, लागत और बाजार से जुड़े मुद्दे सीधे स्थानीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ जमीन तक पहुंचना और स्थानीय स्तर पर शिकायतों का समाधान होना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सरकारी नीतियों का असर केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। उसका अनुभव गांव और बूथ स्तर के राजनीतिक वातावरण को भी प्रभावित कर सकता है।

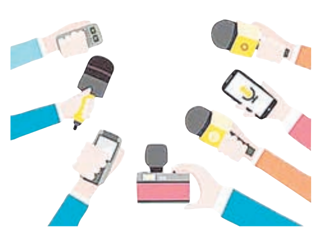

कांग्रेस तलाश रही राजनीतिक जगह

- इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम और उसके बाद छात्रों की गूंज को आगे बढ़ाने की घोषणा से कांग्रेस ने छात्र-युवा मुद्दों को लेकर प्रदेशव्यापी संवाद की दिशा में कदम बढ़ाने का संकेत दिया है।
- जीतू पटवारी द्वारा इसे हर जिले तक ले जाने की बात के बाद कांग्रेस के सामने अब चुनौती स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय करने की होगी। बड़े कार्यक्रम के बाद उसे जिलों में स्थानीय मुद्दों, युवाओं और कार्यकर्ताओं को जोड़कर निरंतर अभियान चलाना होगा।
- यही वह क्षेत्र है जहां भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा और कांग्रेस की पुनर्सक्रियता आमने-सामने दिखाई दे सकती है।

सरकार के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं

- मोहन यादव सरकार के सामने चुनौती केवल विपक्ष के राजनीतिक हमलों का जवाब देने की नहीं है। सरकार के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि संगठन के साथ संवाद बना रहे, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका स्पष्ट हो और कार्यकर्ताओं तक सरकार की योजनाओं तथा फैसलों की जानकारी प्रभावी तरीके से पहुंचे।
- क्योंकि मजबूत संगठन केवल चुनाव के समय सक्रिय कार्यकर्ताओं से नहीं बनता। लगातार संवाद, स्थानीय समस्याओं का समाधान और कार्यकर्ताओं को निर्णय प्रक्रिया से जोड़ना भी संगठन की सक्रियता का हिस्सा होता है।

मीडिया के मामले में अधिकार और प्रक्रिया दोनों महत्वपूर्ण

प्रशासन और मीडिया के संबंधों को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। किसी समाचार से असहमति होने पर प्रशासन या संबंधित विभाग के पास तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देने और निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया अपनाने के रास्ते मौजूद हैं। वहीं पत्रकारिता से भी तथ्यपरकता, सत्यापन और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया अपनी आधिकारिक व्यवस्था में प्रेस की स्वतंत्रता को संरक्षित करना और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखना अपने प्रमुख उद्देश्यों में बताता है। परिषद के अनुसार धारा 13 के तहत पत्रकार, संपादक, समाचार-पत्र या समाचार एजेंसी किसी संगठन, व्यक्ति अथवा केंद्र या राज्य सरकार द्वारा प्रेस के स्वतंत्र कामकाज में हस्तक्षेप से संबंधित शिकायत कर सकते हैं। इसलिए किसी अधिकारी द्वारा मीडिया से संबंधित कोई कार्रवाई किए जाने पर केवल कार्रवाई होना ही पर्याप्त सवाल नहीं है। यह भी देखा जाना जरूरी है कि कार्रवाई किस अधिकार के तहत की गई, प्रक्रिया क्या अपनाई गई और उसका वैधानिक आधार क्या था।

खबर पर आपत्ति हो तो जवाब भी एक रास्ता

किसी प्रकाशित खबर को गलत मानने पर संबंधित विभाग तथ्यात्मक जवाब, स्पष्टीकरण या उपलब्ध कानूनी प्रक्रिया का सहारा ले सकता है। प्रेस काउंसिल के पत्रकारिता मानदंड भी प्रेस की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी, सत्यापन और निष्पक्षता पर जोर देते हैं। वहीं यदि किसी मीडिया संस्थान को लगता है कि उसके स्वतंत्र कामकाज में सरकारी या प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप हुआ है, तो प्रिंट मीडिया के मामलों में प्रेस काउंसिल की धारा 13 वाली शिकायत व्यवस्था एक औपचारिक रास्ता है।

अधिकार क्षेत्र से बाहर की कार्रवाई बने सवाल

यदि किसी मामले में यह आरोप सामने आता है कि अधिकारी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर जांच शुरू की, नोटिस जारी किया या किसी मीडिया संस्थान पर कार्रवाई का प्रयास किया, तो उस कार्रवाई का वैधानिक आधार महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे मामलों में केवल अधिकारी का पद यह साबित नहीं करता कि उसके पास हर प्रकार की कार्रवाई का अधिकार है। संबंधित कानून, नियम, विभागीय आदेश और सक्षम प्राधिकारी की भूमिका देखना आवश्यक होगा। यही कारण है कि मीडिया से जुड़े किसी विवाद में आरोप और निष्कर्ष के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है। दस्तावेज, आदेश और अधिकार क्षेत्र की स्थिति ही यह स्पष्ट कर सकती है कि कार्रवाई नियमों के अनुरूप थी या नहीं।

सत्ता, संगठन और मीडिया- तीनों के बीच संतुलन

मध्यप्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में तीन अलग-अलग स्तरों पर गतिविधियां दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस अपने संगठन को नए मुद्दों के जरिए सक्रिय करने की कोशिश कर रही है। भाजपा सरकार और संगठन के स्तर पर अपने जनसंपर्क एवं कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। वहीं प्रशासन और मीडिया के संबंधों को लेकर भी अधिकार, प्रक्रिया और स्वतंत्रता से जुड़े सवाल सामने आते रहते हैं।

आने वाले समय में राजनीतिक दलों के लिए चुनौती केवल विरोधी दल का मुकाबला करना नहीं होगी। संगठन को साथ रखना, जमीनी समस्याओं पर प्रतिक्रिया देना, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बनाए रखना तथा प्रशासनिक निर्णयों को स्पष्ट नियमों और प्रक्रिया के दायरे में रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

मध्यप्रदेश की राजनीति में अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कांग्रेस अपनी नई संगठनात्मक सक्रियता को कितनी दूर तक ले जाती है और भाजपा सत्ता के साथ अपने मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बीच तालमेल को किस तरह बनाए रखती है। साथ ही मीडिया से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया का पालन दोनों पक्षों के लिए भरोसे का महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा।

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज का जबलपुर में भी होगा आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को मिली जबर्दस्त सफलता के बाद अब कांग्रेस पार्टी प्रदेश के लगभग सभी बड़े शहरों में राहुल गांधी का युवाओं से संवाद कार्यक्रम कराने की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में खबर सामने आई है कि, कांग्रेस अगला कार्यक्रम संस्कारधानी जबलपुर में कराने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने जबलपुर में होने वाले कार्यक्रम को लेकर ताजा अपडेट साझा किया है। कांग्रेस के प्रवक्ता मुकेश नायक ने अपडेट देते हुए कहा कि, इंदौर में कार्यक्रम की सफलता के बाद अब जल्द ही राहुल गांधी कार्यक्रम के तहत जबलपुर आएंगे और यहां भी छात्रों के साथ वो सीधे संवाद करेंगे। कांग्रेस पार्टी की ओर से छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार, पार्टी जबलपुर में इंदौर से बड़ा कार्यक्रम करेगी। इसकी तैयारियां की जा रही हैं। जल्दी ही कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और तारीख का ऐलान किया जाएगा।

इंदौर में 2 लाख से अधिक छात्र के शामिल- इंदौर में 19 सितंबर को छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें राहुल गांधी ने छात्रों से शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मुद्दों पर संवाद किया था। कांग्रेस ने इंदौर के साथ साथ आसपास के क्षेत्रों से करीब 2 लाख से अधिक युवाओं के कार्यक्रम में आने का दावा किया था। इंदौर में कार्यक्रम को मिली सफलता के बाद अब इसे प्रदेश के लगभग सभी बड़े शहरों में कराने की तैयारी की जा रही है। इसी के चलते अब कांग्रेस इस कार्यक्रम को जबलपुर में करने जा रही है।

फर्जी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर होगी 3 साल तक की जेल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

देश में बढ़ते साइबर अपराध और फर्जी मोबाइल कनेक्शनों पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग ने नागरिकों और सिम विक्रेताओं के लिए बेहद सख्त चेतावनी जारी की है। विभाग ने साफ किया है कि सिम कार्ड, टेलीकॉम पहचानकर्ताओं और मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ या दुरुपयोग करने वालों को दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत 3 साल तक की जेल की सजा काटनी पड़ सकती है। इसके साथ ही दोषियों पर 50 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा।

दूरसंचार विभाग की यह कड़ी चेतावनी छत्तीसगढ़ में सामने आए एक गंभीर फर्जीवाड़े की जांच के बाद आई है। जांच में खुलासा हुआ कि एक पॉइंट ऑफ सेल एजेंट ने आम नागरिकों के पहचान दस्तावेजों का दुरुपयोग किया और उनकी जानकारी व सहमति के बिना ही 25 मोबाइल सिम कार्ड अवैध तरीके से एक्टिवेट कर दिए। दूरसंचार विभाग ने डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के जरिए इन संदिग्ध नंबरों की गहनता से पड़ताल की और टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ मिलकर आरोपी एजेंट को तुरंत प्रभाव से ब्लैकलिस्ट कर दिया, जिससे वह भविष्य में कोई नया सिम कार्ड जारी नहीं कर सकेगा। संचार मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि साइबर ठगी, डिजिटल अपराध और गैरकानूनी गतिविधियों के लिए टेलीकॉम नेटवर्क का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विरोध रोकने की कोशिशों ने बढ़ाई चर्चा, राजनीतिक मंच से सड़क तक पहुंचा विवाद

जंतर-मंतर से इंदौर तक एक जैसी गलती, जो मामला दबता है वही भड़कता है

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

राजनीति में कई बार किसी कार्यक्रम या विरोध को सीमित करने की कोशिश उसका असर कम करने के बजाय उसे और बड़ा मुद्दा बना देती है। जंतर-मंतर से लेकर इंदौर तक हाल के घटनाक्रमों को इसी नजरिए से देखा जा रहा है। किसी आयोजन को लेकर उठे विवाद, प्रशासनिक कदम और राजनीतिक विरोध जब सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनते हैं तो मूल मुद्दे से ज्यादा चर्चा उस रोक-टोक की होने लगती है।

इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले होर्डिंग, अनुमति, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कदमों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के अलग-अलग पक्ष सामने आए। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक दबाव के रूप में उठाया, जबकि भाजपा और प्रशासन की ओर से इसके अलग कारण बताए गए। परिणाम यह हुआ कि जिस कार्यक्रम का केंद्र छात्र और युवा मुद्दे थे, उसके साथ प्रशासन और राजनीति का विवाद भी जुड़ गया।

राजनीति का एक सामान्य अनुभव है कि जिस मुद्दे को जितना दबाने की कोशिश होती है, वह उतनी ही तेजी से चर्चा में आ सकता है। हालांकि हर मामले में परिस्थितियां अलग होती हैं और किसी कार्रवाई के वास्तविक उद्देश्य का निर्धारण दस्तावेजों और संबंधित पक्षों के बयानों के आधार पर ही किया जा सकता है।

इंदौर में भी विवाद के बाद कांग्रेस को अपने कार्यक्रम को लेकर सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाने का अवसर मिला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे आगे बढ़ाते हुए ह्यछात्रों की गूंजह्न को प्रदेश के हर जिले तक ले जाने की बात कही है।

यानी एक कार्यक्रम को लेकर पैदा हुआ विवाद अब केवल इंदौर तक सीमित रहने के बजाय व्यापक राजनीतिक अभियान का रूप लेने की कोशिश कर रहा है।

जंतर-मंतर से इंदौर तक संदेश

जंतर-मंतर हो या इंदौर-किसी भी राजनीतिक गतिविधि को लेकर उठाए गए कदमों का असर केवल तत्काल घटनाक्रम तक सीमित नहीं रहता। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के दौर में छोटी घटना भी व्यापक चर्चा का विषय बन सकती है।

इंदौर की घटना का अगला राजनीतिक अध्याय अब जिलों तक पहुंचने वाले छात्रों की गूंज अभियान से जुड़ सकता है। यदि कांग्रेस इसे लगातार आगे बढ़ाती है तो सरकार के सामने केवल एक कार्यक्रम का जवाब देने के बजाय उन मुद्दों पर भी जवाब देना होगा जिन्हें कांग्रेस युवाओं और छात्रों के बीच लेकर जाने की तैयारी कर रही है।

यही राजनीति का वह मोड़ है जहां किसी मुद्दे को शांत करने की कोशिश और उसके राजनीतिक असर के बीच अंतर समझना जरूरी हो जाता है। जो बात एक शहर तक सीमित रह सकती थी, वह राजनीतिक टकराव के कारण कई जिलों तक पहुंच सकती है।

अब देखना यह होगा कि इंदौर का विवाद कुछ दिनों की राजनीतिक बहस बनकर रह जाता है या कांग्रेस इसे प्रदेशव्यापी संगठनात्मक अभियान में बदल पाती है। दूसरी ओर सरकार और प्रशासन के लिए भी यह महत्वपूर्ण होगा कि भविष्य में ऐसे मामलों में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रिया के साथ राजनीतिक संवेदनशीलता का संतुलन बना रहे।

सवाल यह नहीं कि विरोध किसका था, सवाल यह कि असर किसका हुआ

- किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और असहमति स्वाभाविक राजनीतिक प्रक्रिया है। सरकार और प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था तथा सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी है, जबकि विपक्ष के सामने अपनी बात जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी।
- लेकिन जब प्रशासनिक कदम राजनीतिक विवाद का विषय बन जाते हैं तो सरकार को यह देखना पड़ता है कि कार्रवाई का उद्देश्य और उसका सार्वजनिक प्रभाव दोनों क्या हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि व्यवस्था संभालने के लिए उठाया गया कदम ही विपक्ष को नया राजनीतिक मुद्दा दे दे।

गणेश गैलरी

रूद्राक्ष ग्रुप मंडली देसाईनगर द्वारा स्थापित गौरीनंदन गणेश

अपनेतक

सेवा संकल्प बनाम छात्रों की गूंज : अब जिलों तक पहुंचेगी सियासी गूंज

मध्यप्रदेश की राजनीति में सितंबर का दूसरा पखवाड़ा दो समानांतर राजनीतिक अभियानों का संकेत दे रहा है। एक तरफ भाजपा का ह्यसेवा संकल्पह्न, जिसके जरिए सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रदेशभर में आगे बढ़ाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने इंदौर में हुए छात्रों की गूंज को एक बड़े प्रदेशव्यापी अभियान में बदलने का ऐलान कर दिया है।

राहुल गांधी के इंदौर कार्यक्रम के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने साफ कहा कि छात्रों की गूंज इंदौर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे मध्यप्रदेश के हर जिले तक ले जाया जाएगा। शिक्षा, रोजगार, भर्ती परीक्षाओं, पेपर लीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर स्थानीय स्तर पर संवाद की बात कही गई है।

यानी कांग्रेस अब एक बड़े आयोजन को जिला-जिला संवाद में बदलने की तैयारी में है। इसका मतलब यह है कि इंदौर में उठे सवालों को स्थानीय छात्रों और अभिभावकों के मुद्दों के साथ जोड़कर आगे बढ़ाया जाएगा। उधर भाजपा भी पीछे हटती दिखाई नहीं दे रही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच 21 सितंबर को हुई बैठक में प्रदेश में आगामी पार्टी कार्यक्रमों के रोडमैप पर चर्चा हुई। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर मंथन हुआ।

यहीं से मध्यप्रदेश की राजनीति में एक दिलचस्प समानांतर तस्वीर बनती है—एक तरफ सेवा और सरकारी योजनाओं का संदेश, दूसरी तरफ छात्र और युवा मुद्दों का संवाद। भाजपा के लिए चुनौती यह होगी कि सेवा संकल्प जैसे कार्यक्रम केवल आयोजन बनकर न रह जाएं, बल्कि उनका असर जमीन पर दिखाई दे। कांग्रेस के सामने भी चुनौती कम नहीं है। ह्यछात्रों की गूंजह्न को इंदौर की भीड़ से निकालकर 52 जिलों के स्थानीय सवालों तक पहुंचाना और उन सवालों को लगातार राजनीतिक मुद्दा बनाए रखना आसान नहीं होगा।

इसलिए अब असली मुकाबला मंचों का नहीं, मैदान में पहुंचने वाले संदेशों का होगा। भाजपा अपने सेवा-संगठन के नेटवर्क के जरिए लोगों तक पहुंचती है और कांग्रेस छात्रों-युवाओं के सवालों के जरिए नया संवाद खड़ा करने की कोशिश कर रही है।

सितंबर में शुरू हुई यह समानांतर राजनीतिक गतिविधि आने वाले दिनों में और स्पष्ट हो सकती है। क्योंकि एक तरफ भाजपा अपने कार्यक्रमों का विस्तार कर रही है, तो दूसरी तरफ पटवारी ने ह्यछात्रों की गूंजह्न को हर जिले तक ले जाने की घोषणा कर दी है। अब देखना यह होगा कि प्रदेश के जिलों में कौन से स्थानीय मुद्दे इस अभियान का केंद्र बनते हैं और दोनों दल जनता के सामने अपने-अपने संदेश को किस तरह रखते हैं।

दिलीप मेहता बने पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ के चुनाव में दिलीप मेहता को जिलाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। चुनाव पर्यवेक्षक पंकज पांडे और चुनाव अधिकारी बीएल सूर्यवंशी ने चुनाव परिणामों की आधिकारिक घोषणा कर उन्हें जिलाध्यक्ष घोषित किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष दिलीप मेहता ने सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे संगठन की एकता, कर्मचारियों के हितों और संघ की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

?इस अवसर पर संघ के मुख्य मार्गदर्शक बीएस वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपीएस ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष जीपी मस्तकर, प्रदेश महामंत्री केसी चौहान सहित वरिष्ठ पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी अशोक चांदनिया, सुरेन्द्र पाठक, केआर डावरे, शिवपाल शक्तावत, एमएल डाबे, हरि सिंह ठाकुर, अशोक गहलोत, प्रदीप श्रीवास्तव, प्रमोद शर्मा, आरएन शर्मा, सोहनलाल खराड़ी, सुरेश शर्मा, इंद्र कुमार पटेल, मनोज अग्रवाल, शिवनारायण पाटीदार, सुरेश नाहटे, रविन्द्र राठौर, रानी मांझी, सीमा राठौर, मोनिका कारपेंटर, चेतना खेड़े, पूजा भयड़ीया, दिनेश मारू, विशाल मंडोत, सुनील पाटीदार, पंकज सोनगरा, करण कटारिया, आशीष मुनिया और राजेश सोनगरे सहित संघ के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

लालपुल ब्रिज मार्ग पर माधवानंद आश्रम का अवैध निर्माण पोकलेन-जेसीबी से ध्वस्त

सिंहस्थ क्षेत्र की जमीन पर अतिक्रमण-अवैध निर्माण पर निगम की सख्ती

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के मद्देनजर सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण और अवैध निर्माण से मुक्त रखने के लिए नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। सोमवार को निगम की टीम ने लालपुल ब्रिज मार्ग स्थित सिंहस्थ क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना सक्षम अनुमति किए गए निर्माण को पोकलेन और जेसीबी मशीनों की सहायता से ध्वस्त कर दिया।

नगर निगम के अनुसार लालपुल ब्रिज मार्ग स्थित माधवानंद आश्रम की ओर से सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि पर बिना सक्षम अनुमति निर्माण किया गया था। निगम द्वारा स्थल का निरीक्षण करने और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सोमवार को कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान दो पोकलेन मशीनों एवं जेसीबी की सहायता से निर्माण को हटाया गया।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि सिंहस्थ महापर्व की व्यवस्थाओं और आयोजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में बिना अनुमति किसी भी प्रकार का स्थायी अथवा अस्थायी निर्माण, अतिक्रमण या भूमि का अनधिकृत उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि की लगातार निगरानी की जा रही है। अवैध निर्माण अथवा अतिक्रमण का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

सिंहस्थ क्षेत्र की आरक्षित भूमि पर माधवानंद आश्रम की ओर से बिना अनुमति दो मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माण हटाने को लेकर न्यायालय के आदेश भी हैं।

व्यवस्थाओं में बाधक बन सकता है अतिक्रमण

सिंहस्थ महापर्व में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए मार्ग, घाट, पार्किंग, यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि का सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त रहना जरूरी है। किसी भी प्रकार का अनधिकृत निर्माण भविष्य में सिंहस्थ की व्यवस्थाओं में बाधक बन सकता है।

नगर निगम द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में किए जा रहे अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमणों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार की कार्रवाई के माध्यम से निगम ने यह संदेश भी दिया कि सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि पर अतिक्रमण या बिना अनुमति निर्माण को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक रोड 15 मीटर होगी

नगर निगम अब खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक करीब 730 मीटर लंबी सड़क को 15 मीटर चौड़ा करेगा। इस काम पर 9.80 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कुल 272 भवन प्रभावित होंगे। निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि महापर्व की व्यवस्थाओं और बुनियादी ढांचे के लिए आरक्षित है। यहां बिना अनुमति स्थायी या अस्थायी निर्माण और भूमि का अनधिकृत उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में महिलाओं को मिला मार्गदर्शन, आज सजेगी भाव सरगम

गूंजा अथर्वशीर्ष पाठ, 'गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला' का हुआ जीवंत मंचन

21 वैदिक ब्राह्मणों ने किया अथर्वशीर्ष पाठ

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाराष्ट्र समाज द्वारा आयोजित गणेशोत्सव के अंतर्गत पानदरीबा स्थित गणपति मंदिर में 21 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ किया गया। इसके साथ ही 'गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला' का सफल मंचन हुआ और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर व विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गणपति अथर्वशीर्ष पाठ के पूजन में गणेशोत्सव समिति के सचिव चंद्रकांत फटाले बैठे। आचार्य दिलीप कोरान्ने और विश्वास कराडकर के नेतृत्व में हुए गणपति अथर्वशीर्ष पाठ में प्रभाकर पाध्ये, अमोल विपट, अनिरुद्ध पुराणिक, हेमंत पाध्ये, जयंत सोपुरकर, नील्लोहित पलशीकर, बालू आप्टे, राकेश कोरान्ने और प्रथम कोरान्ने ने सहभागिता की। दोपहर के सत्र में बच्चों के लिए चित्रकला और कैरम जैसी खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं। महिलाओं का हल्दी-कुंकू कार्यक्रम और विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

'गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला' का हुआ मंचन

शाम को क्षीरसागर स्थित तिलक स्मृति मंदिर में 'गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला' नामक शानदार नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया गया। इसका नाट्य निर्देशन मानस शर्मा तथा सह-निर्देशन व गायन मानसी शर्मा ने किया। प्रस्तुति में राजकुमुद ठोलिया और सतीश दवे का विशेष मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शासकीय अधिवक्ता राहुल विपट और डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार सुदीप घाटपांडे रहे। कार्यक्रम का संयोजन सुदर्शन आयाचित ने किया। गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष संजय दिवटे ने बताया कि अतिथियों का स्वागत विश्वास कराडकर, पंकज चांदोलकर, सदाशिव नायगांवकर, अभय आरोंदेकर, रवींद्र आयचित, अनिल देवलसे, प्रदीप जोग, रवींद्र मूले और वसंत आप्टे ने किया तथा आभार चंद्रकांत फटाले ने माना।

राइजिंग मेन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, उज्जैन उत्तर में नहीं हुआ जलप्रदाय

सिंहस्थ बायपास रोड पर सड़क निर्माण के दौरान हुई क्षति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ बायपास रोड पर एमपीआरडीसी द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य के दौरान गंभीर जलप्रदाय की राइजिंग मेन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण मंगलवार, 22 सितंबर को उज्जैन उत्तर क्षेत्र में जलप्रदाय नहीं किया गया। इससे उत्तर क्षेत्र के रहवासियों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुत्ता बावड़ी क्षेत्र में सिंहस्थ बायपास रोड पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान गंभीर जलप्रदाय की राइजिंग मेन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई है। पाइपलाइन में क्षति होने के बाद जलप्रदाय व्यवस्था प्रभावित हो गई। इसके चलते जलप्रदाय विभाग द्वारा मंगलवार को उज्जैन उत्तर क्षेत्र में जलप्रदाय स्थगित रखने का निर्णय लिया गया था। विभाग के अनुसार क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य किया जाएगा। मरम्मत पूरी होने के बाद ही जलप्रदाय व्यवस्था को पुनः सामान्य किया जा सकेगा। पाइपलाइन की मरम्मत में लगने वाले समय के आधार पर आगामी जलप्रदाय व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है।

जलप्रदाय विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे आवश्यकता के अनुसार पानी का संग्रह कर रखें और उसका उपयोग सावधानीपूर्वक करें। अचानक जलप्रदाय प्रभावित होने से घरेलू आवश्यकताओं के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विभाग ने पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने और जलप्रदाय बाधित रहने से नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

झांकियां तैयार, डोल ग्यारस को लेकर शहर में उत्साह

रातभर चली साज-सज्जा, आज फ्रीगंज से निकलेगा फूल डोल व झांकियों का कारवां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

डोल ग्यारस पर्व को लेकर शहर में उत्साह का वातावरण है। सोमवार रात विभिन्न मंडलों के सदस्य देर रात तक आज निकलने वाली झांकियों की साज-सज्जा और तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। बैरवा समाज के विभिन्न मंडलों द्वारा डोल ग्यारस पर प्रतिवर्ष पारंपरिक फूल डोल के साथ आकर्षक धार्मिक एवं समसामयिक झांकियां निकाली जाती हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार डोल ग्यारस के दिन माता यशोदा भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के उपरांत जलवा पूजन के लिए जाती हैं। इसी परंपरा के तहत शहर में डोल ग्यारस का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस बार विभिन्न मंडलों ने अपनी झांकियों के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों के साथ शहर के विकास और समसामयिक विषयों को भी स्थान दिया है। बागपुरा मंडल ने अमृत कलश को केंद्र में रखते हुए गरुड़ और इंद्र के संग्राम का प्रसंग झांकी में प्रदर्शित किया है। वहीं प्रकाश नगर बैरवा पंचायत ने अपनी झांकी में उज्जैन को यूनिटी मॉल, एलिवेटेड ब्रिज और मेडिकल कॉलेज जैसी विकास परियोजनाओं की सौगात मिलने के विषय को दर्शाया है। झांकी के माध्यम से मुख्यमंत्री की विकास संबंधी सोच और दूरदृष्टि को प्रदर्शित किया गया है।

डोल ग्यारस के अवसर पर आज फ्रीगंज क्षेत्र में टावर चौक से फूल डोल और झांकियों का चल समारोह निकलेगा। विभिन्न मार्गों से होता हुआ चल समारोह विष्णुसागर पहुंचेगा। झांकियों को अंतिम रूप देने में जुटे मंडलों में देर रात तक उत्साह का माहौल बना रहा।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते पदक, उज्जैन के चार खिलाड़ी नेशनल के लिए चयनित

उज्जैन। सागर में स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उज्जैन के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट में उज्जैन की टीम ने रजत और कांस्य पदक जीते हैं। इस प्रदर्शन के आधार पर उज्जैन के चार खिलाड़ियों वानधी चौधरी, अर्पण काव्य, आदर्श मेवाड़ा और जयादित्य मित्तल का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता (नेशनल) के लिए हुआ है।

टीम के मुख्य कोच योगेश बन्देवार ने बताया कि वानधी चौधरी ने अंडर-17 गर्ल्स वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए नेशनल के लिए प्रथम स्थान पर अपना चयन पक्का किया। इस वर्ग में वानधी के साथ अद्विका सिंह, आशी यादव और नियति चंदनानी की टीम ने कांस्य पदक जीता। वहीं, अंडर-17 बॉयज वर्ग में अर्पण काव्य, आदर्श मेवाड़ा, लवीन कुल्हाड़े, संकल्प और अथर्व की टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। इस टीम से अर्पण और आदर्श नेशनल टीम में जगह बनाने में सफल रहे।

21 जोड़ों ने श्री गणेश हवन में दी आहुतियां, स्व. कोटवानी की स्मृति में महाप्रसाद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

डॉ. हेडगेवार जन्म शताब्दी स्मृति सेवा न्यास गणेशोत्सव आयोजन समिति द्वारा रविवार को श्री गणेश हवन और महाआरती का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 21 जोड़ों ने यज्ञवेदी पर बैठकर आहुतियां दीं। राष्ट्र और समाज के कल्याण की कामना के साथ हवन के पश्चात भगवान गणेश की भव्य महाआरती की गई।

आयोजन समिति के संयोजक कपिल राठौर और अभिषेक गोयल ने बताया कि महाआरती के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता स्व. रामजी कोटवानी की स्मृति में विशाल भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। उनके पुत्र अशोक कोटवानी और परिवार द्वारा आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी और आयोजन समिति के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में न्यास के अध्यक्ष उल्लास वैद्य ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

तपोभूमि से श्वेत वस्त्रों में निकली 16 मंदिरों की दर्शन यात्रा

सुगंध दशमी पर उत्तम संयम धर्म की हुई भव्य आराधना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के छठे दिन सोमवार को शहर के जैन मंदिरों में उत्तम संयम धर्म और सुगंध दशमी की भव्य आराधना की गई। सेठी नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर और महावीर तपोभूमि में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। तपोभूमि से दोपहर में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने श्वेत वस्त्र धारण कर वाहनों के काफिले के साथ शहर के 16 प्रमुख जैन मंदिरों की अभिनव दर्शन यात्रा निकाली। सामूहिक अर्घ्य समर्पित करते हुए यह यात्रा शांतिनाथ मंदिर पहुंची, जहां सभी ने मुनि प्रणीत सागर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य विशुद्ध सागर के आशीर्वाद और मुनि प्रणीत सागर के सानिध्य में उत्तम संयम धर्म की विशेष पूजा हुई। मुनि प्रणीत सागर ने तत्त्वार्थ सूत्र के छठे अध्याय आस्रव तत्त्व का वाचन व गहन विवेचन किया। उन्होंने बताया कि मन, वचन और काया की क्रिया ही योग है, जो कर्मों के आत्मा में आने का द्वार है। सुबह सामायिक, प्रतिक्रमण, मंगल अभिषेक व शांतिधारा संपन्न हुई। शाम को 22 परिषह ध्यान और विशेष धूप दशमी पूजन हुआ।

समाज सचिव सचिन कासलीवाल और ट्रस्ट सचिव सुशील लुहाड़िया ने बताया कि मंगलवार को उत्तम तप धर्म की आराधना होगी। पुण्यार्जक परिवार सुशील-नीलम लुहाड़िया, मुकेश-ज्योति जैन, हीरालाल-सुधा बिलाला, शिल्पा-आशीष सोनी, बृजकिशोर-मनोज जैन, धर्मेंद्र-त्रिशला मलैया और ममता-सुबोध जैन रहे। आयोजनों में चातुर्मास समिति अध्यक्ष विजेंद्र जैन सुपारी वाला, सुनील जैन ट्रांसपोर्ट, देवेंद्र सिंघई, संयोजक मनोज जैन वकील, सह संयोजक अशोक जैन, लोकेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष धवल जैन, ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. पीसी जैन, सुरेश कासलीवाल, प्रदीप पांड्या सहित महिला मंडल और युवा मंडल शामिल रहे।

महावीर तपोभूमि में उत्तम संयम धर्म पर वासु ने विशेष प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि मन, वचन और काया को कुमार्ग से हटाकर सन्मार्ग पर लगाना ही सच्चा संयम है। तपोभूमि पर गौतम स्वामी गुरुकुल के जेन-जी बच्चों ने आकर्षक मंडल में लोटस टेंपल की अद्भुत रचना की। श्रावक संस्कार शिविर में शामिल महिलाओं ने सामूहिक शांतिधारा की। सायंकाल आरती के पश्चात आचार्य प्रज्ञा सागर की विशेष आरती की गई। आचार्य प्रज्ञा सागर के पांचवें उपवास के पारणा आहार के लिए तपोभूमि से ब्रह्मचारिणी प्रभा और अंजू ने जयपुर के गौ लोकधाम के लिए प्रस्थान किया।

तपोभूमि के कार्यक्रमों के संयोजक व लाभार्थी रमेश-मीना जैन, सारिका जैन और एकता-दिनेश जैन सुपर फार्मा परिवार रहे। आयोजनों में संस्थापक अध्यक्ष अशोक जैन चायवाला, अध्यक्ष दिनेश जैन सुपर फार्मा, सचिव संजय नीलू बड़जात्या, कार्याध्यक्ष इंदरमल जैन, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठी, राजेंद्र रेखा लुहाड़िया, सहसचिव हितेष मनीषा जैन, सह कोषाध्यक्ष गिरीश चंदा बिलाला, गुरुकुल प्रभारी राजेंद्र लुहाड़िया, अनिल बुखारिया, सुशील गोधा, ओम जैन, संजय जैन, अतुल जैन, ग्रंथालय प्रभारी अनिल कासलीवाल, मंदिर व्यवस्था प्रभारी विमल जैन, अनिल जैन, संरक्षक पवन बोहरा, सुनील जैन ट्रांसपोर्ट, प्रज्ञा युवा मंच अध्यक्ष पलाश लुहाड़िया, सचिव निखिल विनायक, प्रज्ञा पुष्प मंच अध्यक्ष अवनी जैन, सचिव तनिषा जैन और प्रज्ञा बाल मंच अध्यक्ष काव्य सेठी व सचिव आराध्य जैन उपस्थित रहे।

उज्जैन
मंगलवार
22
सितम्बर, 2026

दैनिक ब्रह्मास्त्र

विद्या वितर्को विज्ञानं स्मृतिः तत्परता क्रिया।
यस्यैते षड्गुणास्तस्य नासाध्यमतिवर्तते।।

अर्थः ज्ञान, तर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता और दक्षता, जिसके पास ये छह हैं, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

खबर एक नजर...

पलासिया चौराहे पर पहुंचा जर्मनी का ग्रुप, ट्रैफिक पुलिस ने की अनाउंसमेंट

इंदौर। जर्मनी से इंदौर आए युवक ने नो कार डे अभियान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इंदौर अमेजिंग सिटी है, नो कार डे से ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में कमी आएगी। दरअसल, 22 सितंबर को मनाए जाने वाले वर्ल्ड नो कार डे के अवसर पर ट्रैफिक पुलिस वाहन चालकों को निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करने और वैकल्पिक साधनों को अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। सोमवार रात को पलासिया चौराहे पर टीआई अरविंद दांगी और राधा यादव व टीम जागरूकता अभियान चला रही थी। इस दौरान जर्मनी से इंदौर घूमने आए समूह के लिए एक मेहमान ने ट्रैफिक पुलिस के नो कार डे अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि इंदौर अमेजिंग सिटी है। उन्होंने कहा कि हमें नो कार डे अभियान को सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि इससे ईंधन की बचत होगी और गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण भी कम होगा। यातायात पुलिस की टीम ने माइक से अनाउंसमेंट कर तथा फ्लेक्स एवं पोस्टर के माध्यम से नो कार डे का संदेश देते हुए वाहन चालकों से सहयोग की अपील की जा रही है। नो कार डे का उद्देश्य लोगों को निजी वाहनों के कम उपयोग तथा वैकल्पिक परिवहन साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यदि छोटी दूरी के लिए पैदल चलने, साइकिल का उपयोग करने तथा आवश्यकतानुसार लोक परिवहन एवं अन्य साझा परिवहन साधनों को अपनाया जाए, तो शहर की सड़कों पर निजी वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है।

फ्रॉड का नया तरीकाः1 रुपए में वेब सीरीज दिखाने के झांसे से लोगों को ठग रहे

इंदौर। जालसाजों ने ठगी का नया तरीका निकाला है। वे लोगों को सोशल मीडिया पर महज 1 रुपए में नई वेबसीरीज व नए सीरियल, एपिसोड दिखाने का ऑफर दे रहे हैं। सब्सक्रिप्शन के नाम पर फर्जी लिंक भेजी जा रही है। इस पर क्लिक करते ही एक नया पेज ओपन हो जाता है, जहां अकाउंट, यूपीआई, कार्ड व निजी जानकारी मांगी जा रही है, जैसे ही लोग लालच में जानकारी भरते हैं, उनके अकाउंट से पैसे कटने व ऑटो-पे की प्रोसेस शुरू हो जाती है। इंदौर में 1 माह में ऐसी 72 शिकायतें क्राइम ब्रांच तक पहुंच चुकी हैं। जालसाज जानबूझकर ऐसे कंटेट और एपिसोड चुनते हैं, जिन्हें लोग उत्सुकता से देखना चाहते हैं। पोस्ट पर ह्यन्यू एपिसोड आइट नाउह्ल जैसे मैसेज लिखे जाते हैं। चंद सेकंड के वीडियो और लिंक शो की जाती है। एमबीए छात्र अनिकेत ने बताया कि मोबाइल पर नए क्राइम पेट्रोल जैसे नाटक का शॉर्ट वीडियो आया। लिंक पर 1 रुपए में पूरा एपिसोड देखने का ऑफर था। क्लिक करते ही गूगल-पे पर ऑटो-पे शुरू हो गया। हर महीने खाते से रुपए कटने लगे। बैंक स्टेटमेंट से पता चला, फिर ऑटो-पे बंद किया। अविनाश शास्त्री को सोशल मीडिया पर 1 रुपए में नई वेबसीरीज देखने का ऑफर मिला। लिंक खोलते ही नई एप्लीकेशन खुली। डाउनलोड करते ही बैंक डिटेल ठगों तक पहुंच गई और खाते से 10 हजार रुपए कट गए। उन्होंने बैंक जाकर खाता ब्लॉक कराया और क्राइम ब्रांच में शिकायत की।

पुलिस ने रोकी बाइक चोरी की निकली, चेसिस नंबर से जांच में पता चला थाने में दर्ज थी एफआईआर

इंदौर। मृगनयनी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने एक बिना नंबर प्लेट की बाइक को रोका और उसकी जांच की तो पता चला की बाइक चोरी की थी। बाणगंगा थाने में उसकी एफआईआर भी दर्ज थी। हालांकि जो युवक बाइक चला रहा था वह डॉक्यूमेंट्स लाने का बोलकर मौके से भाग निकला। सोमवार को ट्रैफिक एसआई रामसेवक मीना और उनकी टीम मृगनयनी चौराहे पर कार्रवाई कर रही थी। इस दौरान एक गाड़ी को रोका और उससे डॉक्यूमेंट्स मांगे तो वह डॉक्यूमेंट्स लाने का बोलकर वहां से भाग निकला और वापस नहीं आया। जांच के दौरान गाड़ी में आगे और पीछे दोनों नंबर प्लेट नहीं थी। ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी के चेसिस नंबर के आधार पर जांच की तो पता चला कि बाणगंगा थाने में 10 जून को एफआईआर दर्ज होना पाया गया। इसके बाद गाड़ी की जरूरी जानकारी निकालकर गाड़ी मालिक से संपर्क कर जरूरी जानकारी ली है। फिलहाल पुलिस ने बाइक को ट्रैफिक थाने पर खड़ा कराया है। मामले में संबंधित थाने को भी जानकारी दी गई है।

डोल ग्यारस पर इंदौर में बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था, कई मार्ग डायवर्ट

इंदौर। डोल ग्यारस के अवसर पर 22 सितंबर को शहर में निकलने वाले भव्य चल समारोह को देखते हुए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी किया है। शहर के अलग-अलग हिस्सों से झांकियां चल समारोह के रूप में हरसिद्धि मंदिर पहुंचेंगी। इसके चलते शाम 4 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। भीड़ और यातायात दबाव के अनुसार डायवर्सन का समय बदला भी जा सकता है। यातायात पुलिस के अनुसार शाम 4 बजे से राजवाड़ा क्षेत्र में सिटी बसों और अन्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा भारी वाहन, यात्री बस, व्यावसायिक वाहन और चार पहिया वाहनों के लिए भी निर्धारित मार्गों पर प्रतिबंध रहेगा। यातायात पुलिस ने एयरपोर्ट आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी बताए हैं। भंवरकुआं, कलेक्टर चौराहा और महूनाका की ओर से एयरपोर्ट जा सकेंगे। मध्य क्षेत्र से डीआरपी लाइन और मरीमाता होकर एयरपोर्ट पहुंचा जा सकेगा। वहीं विजय नगर क्षेत्र से टफ-10 और सुपर कॉरिडोर के रास्ते एयरपोर्ट जाने का विकल्प रहेगा। राजवाड़ा से राजमोहल्ला चौराहा जाने वाले वाहन चालक नगर निगम, इमली बाजार, बड़वाली चौकी होते हुए बड़ा गणपति की ओर जा सकेंगे। वहीं सैफी चौराहा से लाल मंदिर, हाथीपाला, बड़ा रावला और सोनकर धर्मशाला होते हुए महूनाका की ओर जाने का विकल्प रहेगा।

इंदौर में आज से शुरू होगा डिजिटल अभियान, 10 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य

यूपीआई चार्ज के विरोध में सड़क पर उतरे व्यापारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

यूपीआई के बड़े मर्चेंट लेन-देन पर प्रस्तावित चार्ज के विरोध में 23 सितंबर को प्रस्तावित नो यूपीआई डे को लेकर शहर के व्यापारिक संगठनों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। अहिल्या चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आह्वान के समर्थन में इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने पोस्टर, कॉल सेंटर और सोशल मीडिया के जरिए अभियान शुरू किया है। अभियान के माध्यम से 10 लाख लोगों तक संदेश पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। आज से इस डिजिटल अभियान की शुरूआत की जा रही है।

इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने बताया कि शहर के बाजारों में नो यूपीआई डे के पोस्टर लगाए जा रहे हैं। अब कॉल सेंटर से व्यापारियों से सीधे संपर्क किया जा रहा है, जबकि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने ने कहा कि अभियान का उद्देश्य यूपीआई के खिलाफ माहौल बनाना नहीं, बल्कि प्रस्तावित मर्चेंट चार्ज को लेकर व्यापारियों की चिंता सामने रखना है। बड़े मूल्य के पात्र मर्चेंट लेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क से व्यापारियों की लागत बढ़ने की आशंका है। खासकर कम मार्जिन वाले खुदरा कारोबार में अतिरिक्त लागत का असर महत्वपूर्ण हो सकता है।

कल नो यूपीआई डे

23 सितंबर का नो यूपीआई डे सांकेतिक व्यापारिक विरोध है। व्यापारियों से एक दिन यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं कर अपनी चिंता दर्ज कराने की अपील की जा रही है। साथ ही ग्राहकों के साथ संवाद बनाए रखते हुए अभियान को शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से चलाने पर जोर दिया जा रहा है।

10 लाख तक पहुंचने का लक्ष्य

इस अभियान के तहत 10 लाख लोगों तक अभियान का संदेश पहुंचाने की तैयारी के तहत सोशल मीडिया पोस्ट, डिजिटल सामग्री और व्यापारिक नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा है। मंगलवार से कॉल सेंटर के जरिए बाजारवार संपर्क किया जाएगा है, ताकि अधिक से अधिक व्यापारी 23 सितंबर के अभियान से जुड़ सकें। जैन ने कहा कि व्यापारियों की मांग डिजिटल भुगतान व्यवस्था के विरोध की नहीं, बल्कि मर्चेंट चार्ज की व्यवस्था, उसकी लागत और रिफंड सहित उससे जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर स्पष्टता की है।

'छात्रों की गूंज' में दिया था इलाज का भरोसा, बोलीं- वर्षों की उम्मीद पूरी होगी

राहुल गांधी ने बड़वानी की प्रियंका को दिल्ली बुलाया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले की प्रियंका सेंगर की आंख के इलाज के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टीम ने संपर्क किया है। इंदौर में 19 सितंबर को छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी ने प्रियंका से मंच पर बातचीत की थी। इस दौरान राहुल की नजर उसकी आंख पर गई।

पूछा तो प्रियंका ने बताया कि 3 साल की उम्र में उसकी आंख में चूना चला गया था, जिससे आंख खराब हो गई। तब से एक आंख से बिल्कुल दिखाई नहीं देता है। 12वीं कक्षा के दौरान बड़ौदा में उसकी आंख का एक ऑपरेशन हुआ था। डॉक्टरों ने इसके बाद एक और ऑपरेशन की जरूरत बताई थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण आगे का इलाज नहीं हो सका। राहुल गांधी ने मंच से प्रियंका के इलाज का भरोसा दिया था। अब उनकी टीम ने प्रियंका के परिवार से संपर्क किया है। टीम की ओर से उसे जल्द इलाज के लिए दिल्ली बुलाने की बात कही गई है। बता दें, प्रियंका सेंधवा तहसील के पाडछा गांव की रहने वाली हैं।

दिल्ली से आया फोन, पटवारी ने पिता से की चर्चा- प्रियंका ने बताया कि इंदौर के कार्यक्रम के बाद दिल्ली से राहुल गांधी की टीम की एक महिला का फोन आया था। उन्होंने इलाज के लिए दिल्ली आने की बात कही। इसके बाद जिले के समाजसेवी सरदार नरगावे और विधायक विक्रांत भूरिया की ओर से भी फोन आया।

इसी बीच, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रियंका को मिलने के लिए बुलाया। पटवारी ने उसके पिता से फोन पर आंखों के इलाज और परिवार की परिस्थितियों को लेकर चर्चा की।

पिता किसान, तीन एकड़ जमीन... लेकिन पानी नहीं- प्रियंका के पिता उदय सिंह सेंगर किसान हैं। परिवार के पास करीब तीन एकड़ जमीन है, लेकिन सिंचाई के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण खेती से भी नियमित आमदनी नहीं हो पाती। ऐसे में बेटी के इलाज का खर्च उठाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती रहा। एक बार बड़ौदा में ऑपरेशन कराने के बाद आगे का इलाज आर्थिक कारणों से रुक गया था।

सालों का सपना था, अब पूरा होने की उम्मीद

प्रियंका ने कहा कि इतने सालों बाद उसकी उम्मीद पूरी होने जा रही है। वह चाहती है कि इलाज के बाद वह भी सामान्य लोगों की तरह देख सके। इतने सालों बाद मेरी उम्मीद पूरी हो रही है। सालों से सपना था कि मैं भी सामान्य लोगों की तरह देख पाऊं। अब वह सपना पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने हॉस्टलों की संख्या और सीटें बढ़ाने की मांग रखी। कार्यक्रम में छात्रों से शिक्षा और रोजगार सहित कई मुद्दों पर संवाद हुआ। प्रियंका ने राहुल गांधी को बताया कि बताया कि उन्होंने कक्षा 1 से 12वीं तक सरकारी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की है।

यूजीसी नेट की कर रही तैयारी

प्रियंका फिलहाल इंदौर में रहकर यूजीसी-नेट की तैयारी कर रही है। आंखों की समस्या के बावजूद उसने पढ़ाई जारी रखी है और आगे की पढ़ाई को लेकर भी उसके सपने हैं। अब प्रियंका और उसके परिवार को दिल्ली में होने वाले इलाज का इंतजार है। परिवार के लिए यह सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि वर्षों से अधूरी पड़ी उस उम्मीद को पूरा करने का मौका है, जिसके सहारे प्रियंका सामान्य जिंदगी और पढ़ाई के अपने सपने को आगे बढ़ाना चाहती है।

राहुल गांधी के सामने रखी थी हॉस्टल की समस्या

- प्रियंका सेंगर ने 19 सितंबर को इंदौर में रीजनल पार्क के सामने आईडीए के मैदान में राहुल गांधी से संवाद किया था। प्रियंका ने आदिवासी क्षेत्रों और बड़े शहरों में संचालित सरकारी हॉस्टलों में सीटों की कमी, भोजन और अन्य सुविधाओं की समस्याएं बताईं।
- उनके अनुसार, कई बार हॉस्टल में भोजन की व्यवस्था ठीक नहीं रहती थी। ऐसे समय में उन्हें घर से लाई लाल मिर्च की चटनी के साथ रोटी खाकर गुजारा करना पड़ता था।
- उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हॉस्टल में छात्राओं से वार्डन द्वारा काम करवाया जाता था। प्रियंका ने बताया था कि 12वीं के बाद कॉलेज की पढ़ाई के लिए सरकारी हॉस्टल नहीं मिलने पर छात्राओं को किराए के कमरों में रहना पड़ता है।
- किराया पहले खुद देना होता है। उनके मुताबिक, सरकार की ओर से मिलने वाला आवास भत्ता साल के अंत में तय राशि के रूप में मिलता है, जबकि वास्तविक किराया इससे अधिक होता है।

छावनी अनाज मंडी में झोपड़ी में लगी आग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

छावनी अनाज मंडी क्षेत्र में सोमवार रात एक झोपड़ी में अचानक आग लग गई। झोपड़ी के पास ही बिजली की डीपी लगी हुई है। प्रारंभिक तौर पर डीपी में स्पार्क होने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के समय झोपड़ी में कोई मौजूद नहीं था।

जानकारी के मुताबिक, झोपड़ी में परमानंद नाम का युवक रहता है। घटना के समय वह खाना खाने के लिए बाहर गया हुआ था। इसी दौरान झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और पानी डालकर आग पर काबू पाया। समय रहते आग नियंत्रित कर लिए जाने से आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से बच गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। फायर ब्रिगेड के सुशील दुबे ने बताया कि झोपड़ी के पास डीपी लगी हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डीपी में स्पार्क होने से आग लगने की संभावना है। हालांकि आग लगने का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

फर्जी वसीयत पर इंदौर हाई कोर्ट सख्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने फर्जी वसीयत से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि गंभीर जालसाजी सामने आने पर सिविल कोर्ट केवल संपत्ति विवाद के निपटारे तक सीमित नहीं है। वह सीपीसी की धारा 151 के तहत मिली अंतर्निहित शक्ति का इस्तेमाल कर पुलिस को शिकायत भेजकर एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दे सकता है। जस्टिस गजेंद्र सिंह की बेंच ने फर्जी वसीयत के आधार पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि सीपीसी में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जो उचित मामले में सिविल कोर्ट को गंभीर जालसाजी की शिकायत पुलिस तक भेजने से रोकता हो। मामला कृषि भूमि से जुड़े पारिवारिक संपत्ति विवाद का है। याचिकाकर्ता भाइयों ने सिविल मुकदमे की सुनवाई के दौरान अपने पिता की बताई गई वसीयत पेश की थी। सिविल कोर्ट की जांच में सामने आया कि यह दस्तावेज मुकदमा दायर होने के बाद तैयार किया गया था। कोर्ट ने इसे जाली मानते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ पुलिस को शिकायत भेजी और एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके बाद धारमपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61, 336, 338 और 340 के तहत केस दर्ज किया गया। याचिकाकताओं ने एफआईआर रद्द कराने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि जालसाजी गंभीर अपराध है। न्याय के उद्देश्य को पूरा करने और ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अदालत अपनी अंतर्निहित शक्ति का इस्तेमाल कर सकती है।

काका ने भी दिया साथ, दुष्कर्म के मामले में दोनों को 20-20 साल की सजा

14 साल की नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

14 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने आरोपी कमलेश उर्फ कालू (22) को 20 वर्ष के सश्रम कारावास के साथ अलावा 3 वर्ष की सजा सुनाई।

वहीं, आरोपी के काका विष्णुदास वैष्णव को भी पॉक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दी गई। दोनों पर कुल 27 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है।

1 जनवरी 2025 को नाबालिग के दादा ने एरोड्रम थाने में उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान 29 जनवरी को राजस्थान के राजसमंद जिले से नाबालिग को आरोपी के कब्जे से बरामद किया।

जांच में सामने आया कि नाबालिग की पहचान मई 2024 में राजस्थान में एक पारिवारिक विवाह समारोह के दौरान कमलेश से हुई थी। 31 दिसंबर 2024 को कमलेश उसे घूमने के बहाने इंदौर से अपने साथ ले गया। दोनों पहले मुंबई गए, लेकिन वहां ठहरने की व्यवस्था नहीं होने पर राजस्थान चले गए।

मकान में भाई-बहन बताकर रुकवाया- राजेंद्र सिंह भदौरिया (डिप्टी डायरेक्टर, अभियोजन) ने बताया कि राजस्थान में कमलेश का काका विष्णुदास उन्हें अपने साथ ले गया। उसने दोनों को एक मकान में भाई-बहन बताते हुए कमरा दिलाया। बाद में नाबालिग वहीं कमलेश के साथ रहने लगी। पुलिस ने सूचना मिलने पर मकान से उसे बरामद किया। विवेचना के दौरान विष्णुदास पर आरोपियों को सहयोग करने और अपराध के लिए उकसाने का मामला भी दर्ज किया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में चालान पेश किया।

14 गवाह और वैज्ञानिक साक्ष्यों से मामला साबित- केस में अभियोजन की ओर से 14 गवाहों के बयान कराए गए। अभियोजन ने गवाहों के कथनों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोप साबित किए। साक्ष्यों से सहमत होते हुए विशेष पॉक्सो न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया।

पीड़िता को 6 लाख रुपए मुआवजे की अनुशंसा- कोर्ट ने पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत नाबालिग को हुई शारीरिक और मानसिक क्षति को ध्यान में रखते हुए 6 लाख रुपए की प्रतिकर राशि दिए जाने की अनुशंसा भी की है। शासन की ओर से सुनील मणी त्रिपाठी (विशेष लोक अभियोजक) ने पैरवी की।

---

90 लाख की संपत्तियां कुर्क, इंदौर-मंदसौर में तलाशी के बाद 3 आरोपी गिरफ्तार

70 करोड़ की एमडी तस्करी केस में ईडी की कार्रवाई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

करीब 70 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन (एमडी) की कथित तस्करी से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की इंदौर टीम ने आरोपियों से जुड़ी 90 लाख रुपए से अधिक मूल्य की अचल संपत्तियां अंतरिम रूप से कुर्क की हैं। ये संपत्तियां हैदराबाद और मंदसौर में स्थित बताई गई हैं।

ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियां ड्रग केस के आरोपी वेद प्रकाश व्यास, दिनेश अग्रवाल और अक्षय अग्रवाल से जुड़ी हैं। एजेंसी ने इन संपत्तियों को लेकर अंतरिम कुर्की आदेश जारी किया है।

क्राइम ब्रांच की एफआईआर के बाद एऊने शुरू की जांच- क्राइम ब्रांच ने वेद प्रकाश व्यास, दिनेश अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल और अन्य के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत मामला दर्ज किया था। केस करीब 70 करोड़ रुपए मूल्य की मेफेड्रोन की व्यावसायिक मात्रा के कथित अवैध कब्जे और तस्करी से जुड़ा है। इसी केस के आधार पर ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों के वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू की।

17 जुलाई को इंदौर-मंदसौर में छापेमारी- इस मामले में ईडी ने 17 जुलाई को इंदौर और मंदसौर में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया था। कार्रवाई के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। तीनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी की मौजूदा कार्रवाई आरोपियों की संपत्तियों और ड्रग तस्करी से जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच का हिस्सा है।

ड्रग तस्करी से कमाई का आरोप

ईडी की जांच के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी से बड़ी मात्रा में अपराध से अर्जित आय जुटाई।
एजेंसी को यह रकम अलग-अलग निजी और व्यावसायिक बैंक खातों के जरिए ट्रांसफर किए जाने की जानकारी मिलने की बात कही गई है। जांच के दौरान महत्वपूर्ण नकद लेनदेन भी सामने आने का दावा किया गया है। ईडी के मुताबिक, जांच के दौरान दर्ज बयानों से आरोपियों के नियमित कारोबार के अलावा कथित रूप से मादक पदार्थों की आपूर्ति और तस्करी में शामिल होने की जानकारी सामने आई।

खबर एक नजर...

फ्लैट की फर्जी रजिस्ट्री से 45.50 लाख का लोन, 8 पर केस दर्ज

ग्वालियर। ग्वालियर के पड़ाव थाना क्षेत्र के साकेत नगर में एक फ्लैट की फर्जी रजिस्ट्री तैयार कर उसे बैंक में गिरवी रखकर करीब 45.50 लाख रुपए का लोन लेने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद आठ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अब नामजद आरोपियों की तलाश की जा रही है। साकेत नगर स्थित जी-1/85 प्रतिमा विला फ्लैट की वास्तविक मालिक पूर्णिमा गुप्ता हैं। उन्होंने यह फ्लैट राघवेंद्र सिंह सेंगर से 27 जून 2019 को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के जरिए खरीदा था। इसके बाद वह परिवार के साथ यहां रहने लगीं और वर्ष 2022 में नगर निगम में नामांतरण भी कराया। कुछ समय पहले पूर्णिमा को पता चला कि उनके फ्लैट की एक अन्य रजिस्ट्री भी मौजूद है। जांच में सामने आया कि 19 मार्च 2019 की दूसरी रजिस्ट्री तैयार की गई थी। इसमें राघवेंद्र सिंह द्वारा संतोष राज अग्रवाल और नीलम अग्रवाल के पक्ष में फ्लैट बेचना दशार्या गया। इसी दस्तावेज के आधार पर पंजाब एंड सिंध बैंक से लोन लिया गया। बैंक रिकॉर्ड में करीब 22.50 लाख रुपए का लोन स्वीकृत होने और रजिस्ट्री में अलग-अलग बैंक खातों से रकम का भुगतान दशार्या गया।

बुरहानपुर में एक महीने से तेंदुए की दहशत, 4 बकरियां और 2 कुत्ते मारे

बुरहानपुर। जिले की नावरा रेंज के गोराड़िया गांव और आसपास पिछले एक महीने से तेंदुए का आना-जाना बना हुआ है। दहशत इतनी है कि किसानों को खेतों में काम के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। खुद किसान भी खेतों में जाने से डर रहे हैं। वन विभाग ने इलाके में घोषणा कराकर लोगों से झुंड में बाहर निकलने की गुजारिश की है। विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की परमिशन भोपाल से मांगी थी, लेकिन इजाजत नहीं मिली।

अब तक तेंदुआ 4 बकरियों और 2 कुत्तों को मार चुका है। किसान मोहन पाटिल ने बताया कि वन विभाग की टीम आई और घोषणा कराई, लेकिन एक महीने से खेतों में काम रुका हुआ है। उनके बेटे ने पाइप में सोए तेंदुए का फोटो भी खींचा और सूचना दी, फिर भी कोई एक्शन नहीं हुआ। किसान प्रणय विनोद पाटिल ने बताया कि दो दिन पहले बैलगाड़ी के सामने से तेंदुआ एक कुत्ते को उठाकर ले गया। मजदूर शांताराम और कृष्णा सोमा ने कहा कि डर के कारण वे काम पर नहीं जा पा रहे हैं। किसान गोपाल महाजन ने बताया कि लिखित शिकायत के बाद भी केवल गश्त की जा रही है। तेंदुआ सतीश जगन और राजकुमार लक्षण की बकरियां खा गया। गन्ने के खेत में ड्रिप डालनी है, लेकिन मजदूर आने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि तेंदुआ दिन में भी दिख रहा है। इस बारे में रेंजर पुष्पेंद्र जादौन ने कहा कि पिंजरा लगाने की परमिशन विभाग से मांगी थी, लेकिन नहीं मिली।

मैहर में बिजली सुधारते समय युवक को लगा करंट, मौत

मैहर। मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के किरहाई डोंगरी गांव में सोमवार रात बिजली सुधारते समय युवक करंट की चपेट में आ गया। हादसे में रामसाधू लोनी की जान चली गई। परिवार वाले जल्दी से उसे सिविल अस्पताल अमरपाटन ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत बताया। परिवार वालों ने बताया कि गांव में बिजली का तार टूट गया था। युवक रात में बिजली का तार जोड़ रहा था और उसे ठीक कर रहा था। तभी अचानक तार में करंट आ गया और वह उसकी चपेट में आ गया। करंट से उसके हाथ और सीने का हिस्सा झुलस गया। हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों और परिवार वालों में हड़कंप मच गया। अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत बताया।

लोचन नगर में देर रात ताबड़तोड़ फायरिंग, पुलिस को मिले खाली खोके

ग्वालियर। ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र के एसएलपी कॉलेज के पास स्थित लोचन नगर में सोमवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से सनसनी फैल गई। पैसों के लेनदेन के पुराने विवाद को लेकर बिना नंबर की गाड़ी से आए बदमाशों ने एक घर को निशाना बनाकर 10 से 12 राउंड गोलियां दाग दीं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से हवाई फायर करते हुए भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास की सड़कों से खाली खोके बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। लोचन नगर निवासी पीड़िता जूली ने बताया कि राहुल गुर्जर निवासी पारसेन नाम के युवक से उनका पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी राहुल पिछले कुछ समय से लगातार उनके पति और देवर का पीछा कर रहा था और उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहा था।

मध्यप्रदेश में कर्मचारियों के लंबित मामलों की होगी समीक्षा

भोपाल। मप्र में कर्मचारियों से जुड़े वर्षों से लंबित मामलों के अटकने की वजह और निपटारे की समयसीमा अब विभागों से मांगी जाएगी। प्रदेश में करीब 23 हजार अनुकंपा नियुक्ति, 3 हजार पेंशन, चतुर्थ से तृतीय श्रेणी के सहायक ग्रेड-3 पद पर पदोन्नति के 2.5 हजार और 1.5 हजार विभागीय जांच प्रकरण लंबित हैं।

हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में लगा 56 भोग

15 वर्षों की जलभराव समस्या खत्म, अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा के नेतृत्व में हुआ मंदिर का जीर्णोद्धार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर के कोट मोहल्ला स्थित यादव धर्मशाला के पीछे प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में तेजा दशमी के उपलक्ष्य में सोमवार 21 सितंबर को भव्य आयोजन किया गया। महाकाल मंदिर क्षेत्र के समीप स्थित इस मंदिर में भगवान को 56 भोग लगाया गया। अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा के अनुसार दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक भोजन प्रसादी और महाआरती का यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान विशाल भंडारे में लगभग 1000 से 1100 श्रद्धालुओं ने दाल-बाटी और चूरमे की प्रसादी ग्रहण की। इस आयोजन में किसी एक समाज विशेष के नहीं, बल्कि सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन की अध्यक्षता मोहन मेवाड़ा ने की।

यह मंदिर काफी पुराना है और पिछले 15-20 वर्षों से बारिश के दिनों में यहां जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई थी। मंदिर को सुरक्षित करने के लिए अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा के नेतृत्व में जीर्णोद्धार कार्य करवाया गया, जिसमें उन्होंने स्वयं के पास से भी राशि खर्च की। जीर्णोद्धार के तहत तीन मंजिल तक नया निर्माण कर शेड व कमरे बनाए गए हैं। तीसरी मंजिल पर 30बाय 35 के क्षेत्र में नया निर्माण हुआ है, जिसमें ऊपर 3 शेड, नीचे 10 बाय 10 का एक कमरा और 30 बाय 15 का पार्टीशन बनाया गया है। इस पूरे निर्माण कार्य में लगभग 3.5 लाख रुपये की लागत आई है। इसमें समाज के चंदे के 40 हजार रुपये लगाए गए और शेष राशि निजी तौर पर खर्च कर मंदिर को जलमग्न होने से बचाया गया है।

महाआरती में महिलाओं की रही विशेष उपस्थिति

पंडितों द्वारा पूरे विधि-विधान से महाआरती की गई। महाआरती में महिलाओं की विशेष उपस्थिति रही, जबकि पुरुषों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कार्यक्रम में देवनारायण जयपाल, विजय सिंह बल और बद्री हेरा भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा आयोजन में उमाबाई जावाल, आशाबाई जयपाल, कुसुमबाई बिकोंडिया, रेखाबाई कुरवरिया, कविता कुरवरिया, संगीता मदावत, कांताबाई गोयल, नीति कुरवादिया, विष्णु देवल, परी मेवाड़ा, शीतल मेवाड़ा, सननी मेवाड़ा, श्याम देवल, प्रियंका गोयल, सीमा परिहार, ज्योति परिहार, पूजा जोधावत, सोना बुरादा, खुशी बाता, रुद्राक्ष परिहार, घिसीबाई मेवाड़ा, राजूबाई मेवाड़ा, मुकेश, मंडी वाले मोहनलाल खंडेला, जितेन कुरवरिया, बद्रीलाल हीरा, विशाल शर्मा, चेतन शर्मा और जितेंद्र परमार ने भी उपस्थित रहकर महाप्रसादी का लाभ लिया।

आत्महत्या अस्थायी समस्या का स्थायी विकृत समाधान, डटकर जीना ही है असली ताकत

आत्महत्या अस्थायी समस्या का स्थायी विकृत समाधान, डटकर जीना ही है असली ताकत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा फोकल स्कीम शक्ति के अंतर्गत 'जीने का चुनाव और महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी मिसाल' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्राओं को तनाव से दूर रहकर जीवन की चुनौतियों का हिम्मत के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया।

मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग की 'कर्मयोगी बनें' कैपेसिटी बिल्डिंग स्कीम के सदस्य व मुख्य वक्ता डॉ. विक्रांत शाह ने कहा कि हर महिला को अपनी इच्छाशक्ति से जीने की वजह ढूंढनी होती है। लैंगिक रुकावटें महिलाओं में तनाव और चिंता बढ़ाती हैं, लेकिन अपने अस्तित्व के महत्व को समझने से मुश्किल चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक समृद्धि और सोशल मीडिया की अंधी दौड़ के बजाय स्वस्थ, शांतिपूर्ण व सम्मानजनक जीवन चुनना ही सही रास्ता है। डॉ. शाह ने प्राध्यापकों एवं छात्राओं के साथ व्यावहारिक क्रियाओं का सत्र भी आयोजित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारत की सशक्त महिलाओं की ऐतिहासिक विरासत को उज्जैन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की वास्तविक स्वतंत्रता उनकी शिक्षा, साहस और आत्मनिर्भरता में है।

प्रदेश के 36 जिलों में कम बारिश:अल नीनो का असर...

आधे मध्यप्रदेश में सामान्य से कम बारिश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मानसून सीजन खत्म होने में सिर्फ 9 दिन बाकी हैं, लेकिन मप्र में बारिश अभी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंची है। 21 सितंबर तक प्रदेश में 865.8 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि सामान्य आंकड़ा 922.6 मिमी है। यानी प्रदेश में बारिश 6% कम है। 55 में से 36 जिलों में अब तक सामान्य बारिश पूरी नहीं हुई। इनमें 11 जिले ऐसे हैं, जहां कमी 16 से 49% तक है।

सबसे ज्यादा कमी अलीराजपुर में 49%, नर्मदापुरम में 34%, रतलाम में 33%, झाबुआ में 32% और हरदा में 31% है। कम बारिश वाले जिलों में पश्चिमी मप्र की हिस्सेदारी अधिक है। इंदौर 24% और छिंदवाड़ा 23% पीछे हैं। मौसम विभाग ने मानसून की इस बेरुखी को अलनीनो असर बताया। इसके उलट, भोपाल में 928.2 मिमी बारिश होनी थी लेकिन 1063.3 मिमी बारिश हुई है। सुखद यह है कि 12% अधिक बारिश ?रिकॉर्ड हुई। भोपाल में बड़ा तालाब फुल होने के बाद भदभदा और कलियासोत के गेट 5-5 बार खोले जा चुके हैं।

3 दिन बाद नया सिस्टम, पूरे प्रदेश में बारिश संभव मौसम केंद्र के अनुसार, 3 दिन बाद सक्रिय होने वाला संभावित आखिरी दौर कमी वाले जिलों के लिए अहम रहेगा। भोपाल समेत प्रदेशभर में तेज बारिश होने की संभावना है।

अगस्त तक खरीफ की बुवाई 1.7% कम थी। आईसीआरए के अनुसार, रकबा 2% घट सकता है। कम बारिश, ज्यादा तापमान और अल नीनो से मिट्टी की नमी घटी है। इससे उपज घटेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चावल उत्पादन 1 करोड़ टन घटकर 14.4 करोड़ टन रह सकता है। यानी पिछले साल की तुलना में 6.5% कम। रबी की बुवाई अक्टूबर से शुरू होगी। शुरूआती सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कमजोर है। उत्तर व दक्षिण भारत में जल भंडार में गिरावट को आईसीआरए ने रबी के लिए जोखिम बताया। गेहूं और चना जैसी फसलों पर दबाव बढ़ेगा। 178 प्रमुख जलाशयों में 131.17 अरब क्यूबिक मीटर पानी है। पिछले साल से 21% कम। इससे बिजली पर दो असर होंगे।

एक बार कैंसिल हो चुकी

भोपाल में रहवासी इलाकों में कारोबार, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

62,500 प्रतिष्ठानों को लेकर फैसला संभव

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

भोपाल के रहवासी इलाकों में कारोबार के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसमें कुल 62 हजार 500 प्रतिष्ठानों को लेकर फैसला दिया जा सकता है। इससे पहले 15 सितंबर को सुनवाई कैंसिल हो चुकी है। दोपहर में सुनवाई होगी। इसे लेकर रहवासी और नगर निगम दोनों ही सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। बता दें कि 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम ने पूरे शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए थे, जो आवासीय क्षेत्र में चल रहे थे।

करीब 15 दिन तक नोटिस देने का दौर चला। इस दौरान लिस्टेड 62 हजार 500 में से 8084 प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए गए थे। फिर 3 दिन तक 190 प्रतिष्ठान बंद किए थे। व्यापारी सड़क पर उतरे तो कार्रवाई रोकी निगम की सीलिंग और नोटिस देने के विरोध में जब व्यापारी सड़क पर उतरे तो कार्रवाई रोक दी गई थी। पिछले 22 दिन से कार्रवाई नहीं हुई।

दूसरी ओर, रहवासी निगम के जिम्मेदारों पर पक्षपात का आरोप लगा रहे हैं। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निगम की एक्शन टेकन रिपोर्ट पर आपत्ति की है। हमने सुप्रीम कोर्ट में अपने दस्तावेज पेश किए हैं। जिसमें बताया गया कि निगम ने झूठी कार्रवाई की। जिन प्रतिष्ठानों को सील किया गया, वे फिर से खुल गए। दिनभर रिपोर्ट तैयार कराने में लगे रहे अफसर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले सोमवार को नगर निगम के अधिकारी रिपोर्ट तैयार करने में जुटे रहे। दूसरी ओर, रहवासी भी अपना पक्ष रखने के लिए दस्तावेज करने करने में जुटे। रहवासियों का कहना है कि निगम ने जिन प्रतिष्ठानों को सील किया था, उनमें से कई खुल गए हैं।

भोपाल में बैठकर मास्टरमाइंड देता था ट्रेनिंग, नाबालिगों को सिखाता-पुलिस और सीसीटीवी से कैसे बचना है

जबलपुर में आठवीं पास आरोपी ने खोली चोरी की पाठशाला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

देखो, ऐसे चोरी करना है... पुलिस या कोई आ जाए तो कैसे बचना है... सीसीटीवी से कैसे बचना है... और सबसे जरूरी, चोरी के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करना है। जबलपुर पुलिस के मुताबिक, ये बातें किसी फिल्म के डायलॉग नहीं, बल्कि चोरी करने के लिए युवाओं और नाबालिगों को दी जाने वाली ट्रेनिंग का हिस्सा थीं।

इस कथित चोरी की पाठशाला का मास्टरमाइंड था पप्पू मल्लाह उर्फ चकमा। आठवीं तक पढ़े पप्पू पर जबलपुर और दूसरे राज्यों में चोरी के 70 से ज्यादा मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के मुताबिक, पप्पू ने भोपाल में किराए का बड़ा मकान लेकर वहां चोरी की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। वह नाबालिगों और युवाओं को सूने मकानों की रैकी से लेकर ताला तोड़ने, पुलिस और मकान मालिक से बचने तथा भेष बदलने तक के तरीके सिखाता था। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ही उन्हें चोरी के लिए भेजा जाता था। पप्पू खुद मौके पर जाने के बजाय दूर रहकर निगरानी करता था।

तिलवारा थाना पुलिस ने रविवार को पप्पू को पुराने भोपाल से गिरफ्तार किया। पुलिस के पहुंचने से पहले उसके साथ ट्रेनिंग लेने वाले युवक वहां से निकल चुके थे। अब पुलिस उनके साथ ही चोरी की अन्य वारदातों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने पप्पू की पत्नी दीक्षा और उसके तीन गुर्गों को भी गिरफ्तार किया है।

पत्नी करती थी रैकी, रात 2 से 4 बजे भेजे जाते थे गुर्गे

पुलिस के मुताबिक, पप्पू की पत्नी दीक्षा भी इस नेटवर्क में उसके साथ रहती थी। वह दिन में और शाम को घूमने के बहाने कॉलोनियों में जाती और ऐसे मकानों पर नजर रखती, जिन पर ताला लगा होता था। पहले दिन में रैकी की जाती और रात करीब 9 से 10 बजे दोबारा यह देखा जाता कि मकान मालिक वापस आया या नहीं। जब घर पूरी तरह खाली होने की पुष्टि हो जाती तो पप्पू को इसकी जानकारी दी जाती। इसके बाद रात करीब 2 से 4 बजे के बीच प्रशिक्षित युवक चोरी करने के लिए घर में घुसते थे। पुलिस के मुताबिक, पप्पू इस समय को इसलिए चुनता था क्योंकि इस दौरान ज्यादातर लोग गहरी नींद में होते हैं।

10 लाख की चोरी के बाद फरार था पप्पू

पुलिस के मुताबिक, 22 मार्च 2026 की दरमियानी रात पप्पू ने पत्नी दीक्षा और तीन अन्य युवकों, जिनमें दो नाबालिग थे के साथ अर्नव विहार कॉलोनी के पास एक सूने मकान को निशाना बनाया था। यहां से जेवरात और अन्य सामान चोरी किया गया था। फरियादी की शिकायत पर तिलवारा थाने में अपराध क्रमांक 119/2026 के तहत इठर की धारा 331, 305 और 317 में केस दर्ज किया गया था। करीब 10 लाख रुपए की चोरी के इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों सहित एक युवक और दीक्षा को गिरफ्तार कर लिया था। दीक्षा को बाद में कोर्ट से जमानत मिल गई। पप्पू तभी से फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे चोरी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

रोज 3-4 घंटे चलती थी क्लास थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी

पुलिस की जांच में सामने आया कि पप्पू के यहां रोजाना करीब 3 से 4 घंटे की क्लास लगती थी। इसमें चोरी से जुड़ी बातें समझाने के साथ प्रैक्टिकल भी कराया जाता था। पुलिस के अनुसार, पप्पू युवाओं और नाबालिगों को बताता था कि सूने मकान की पहचान कैसे करनी है, रैकी किस तरह करनी है, ताला कैसे तोड़ना है और वारदात के दौरान पुलिस या मकान मालिक पहुंच जाए तो कैसे बचना है। सीसीटीवी से बचने और मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करने जैसी बातें भी उन्हें बताई जाती थीं।

रतलाम में पुलिसकर्मी को चांटा मारा, गला पकड़ा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रतलाम

रतलाम के शिवगढ़ में तेजा दशमी के जुलूस में कुछ लड़कों के झुंड में से एक युवक के पास पुलिसकर्मी ने चाकू बरामद किया। युवक को पुलिस ने पकड़ा तो उसके साथी ने पुलिसकर्मी को भीड़ में चांटा मार दिया। चांटा पड़ते ही पुलिसकर्मी भी नहीं रुका। युवक को दनादन चांटे मार दिए।

युवक को पकड़ने की कोशिश की तो पुलिसकर्मी का गला तक पकड़ लिया। पूरा घटनाक्रम सोमवार दोपहर का है, जिसका वीडियो देर रात सामने आया। चांटे मारने वाले युवक ने थाने में माफी मांग ली तो बिना कार्रवाई के पुलिस ने उसे छोड़ दिया। दरअसल सोमवार को तेजा दशमी के अवसर पर शिवगढ़ में जुलूस के दौरान काफी भीड़ थी। शिवगढ़ थाने के पुलिसकर्मी जुलूस में ड्यूटी पर थे। इस दौरान कुछ लड़कों के झुंड की तलाशी लेने पर एक युवक के पास से चाकू मिला। तब आरक्षक कंवर लाल व नितेश जाटव भीड़ में युवक को पकड़कर पूछताछ कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक ने पुलिसकर्मी कंवराम को चांटा मार दिया। चांटे पड़ते ही आरक्षक कंवरलाल ने युवक को पकड़ने की कोशिश में उसे दनादन चांटे मार कर पकड़ने की कोशिश की। लेकिन युवक ने आरक्षक का गला पकड़ लिया।

पंचायत में मां, महारानी में पुलिस, अब 67 की महिला

भोपाल की ज्योति दुबे बोलीं, 'एक्टर के लिए उम्र नहीं, किरदार मायने रखता है'

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

एक कलाकार की असली पहचान तब बनती है, जब दर्शक उसके चेहरे से ज्यादा उसके किरदार को याद रखें। भोपाल की अभिनेत्री ज्योति दुबे पिछले एक दशक से थिएटर और कैमरे पर लगातार काम कर रही हैं।

पंचायत के सीजन-1 में आत्माराम की मां के छोटे से किरदार से उन्हें ऐसी पहचान मिली कि आज भी दर्शक उनसे पूछ लेते हैं- पंचायत के अगले सीजन में आप आ रही हैं क्या? ज्योति के लिए यह पहचान सिर्फ एक सीरीज तक सीमित नहीं रही। महारानी, ग्रहण और ठुकरा के मेरा प्यार जैसी वेब सीरीज में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। हाल ही में रिलीज हुए ठुकरा के मेरा प्यार के सीजन-2 में वे सुषमा के किरदार में नजर आ रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने 67 साल की महिला का किरदार निभाया है, जबकि इससे पहले वे 35 और 25 साल की उम्र के किरदार भी निभा चुकी हैं।

ज्योति कहती हैं कि उनके लिए उम्र किरदार का हिस्सा है, सीमा नहीं। वे मानती हैं कि एक कलाकार को एक ही तरह की भूमिकाओं में बंधकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि अलग-अलग किरदारों को निभाकर खुद को चुनौती देते रहना चाहिए।

ठुकरा के मेरा प्यार में 67 साल की महिला का किरदार निभाना ज्योति के लिए खास अनुभव रहा। कम उम्र में उम्रदराज महिला की भूमिका निभाने के लिए सिर्फ मेकअप और लुक बदलना ही काफी नहीं था। उन्हें उस उम्र की सोच, व्यवहार, चाल-ढाल और बोलने के तरीके को भी समझना पड़ा।

ज्योति कहती हैं, ह्लमेरे लिए उम्र सिर्फ किरदार का हिस्सा है, सीमा नहीं। मैंने 67 साल की महिला का किरदार निभाया है, 35 साल का और 25 साल का भी। मुझे ऐसे चैलेंजिंग रोल पसंद हैं, जिनमें मैं खुद को और अपने टैलेंट को एक्सपोज कर सकूं।

उनके मुताबिक एक कलाकार को अपनी उम्र तक सीमित किरदार नहीं चुनने चाहिए। अलग-अलग उम्र और स्वभाव के किरदार निभाने से ही कलाकार को अपनी क्षमताओं को तलाशने का मौका मिलता है।

पंचायतह्र के बाद आज भी लोग पूछते हैं- अगले सीजन में आ रही हैं?

ज्योति को पंचायत के पहले सीजन के सातवें एपिसोड में आत्माराम की मां के किरदार से खास पहचान मिली। उनका किरदार सिर्फ एक एपिसोड में था, लेकिन दर्शकों ने उसे याद रखा। वे बताती हैं कि आज भी कई लोग उनसे पूछते हैं कि पंचायत के अगले सीजन में वे नजर आएंगी या नहीं। ज्योति कहती हैं कि कई बार लोग उन्हें उनके चेहरे से तुरंत पहचान नहीं पाते, क्योंकि हर प्रोजेक्ट में उनका लुक बदल जाता है। लेकिन जैसे ही किसी किरदार या सीरीज का नाम सामने आता है, वे पहचान लेते हैं कि अच्छा, ये किरदार आपने किया था। उनके मुताबिक कलाकार के लिए इससे बड़ी बात यही है कि दर्शक उसके किरदार को याद रखें।

महारानी में पुलिस वाली बनीं, गन हैंडलिंग की ट्रेनिंग ली

महारानी में ज्योति ने पुलिस अधिकारी रंजना कुमारी का किरदार निभाया था। भूमिका में एक्शन और बंदूक से जुड़े सीन भी थे। इसके लिए सेट पर एक्सपर्ट्स ने उन्हें गन हैंडलिंग की जानकारी दी। उन्होंने अपनी तरफ से भी तैयारी की और गन की ग्रिप से लेकर उसे संभालने के तरीके तक को समझा। ज्योति का मानना है कि कलाकार को सेट पर मिलने वाली ट्रेनिंग के भरोसे ही नहीं रहना चाहिए। जिस किरदार को निभाना है, उसकी तैयारी खुद भी करनी चाहिए। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद बोलना नहीं, बल्कि किरदार की दुनिया को समझकर उसके भीतर उतरना है। महारानी में वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक चटर्जी के साथ ज्योति का एक सीन होना था। इमरजेंसी के कारण वह सीन शूट नहीं हो सका। इसमें चेजिंग सीक्वेंस था, जो बाद में कहानी से हटा दिया गया और ज्योति के किरदार को सीधे मृत दिखाया गया। हालांकि थिएटर में वे आलोक चटर्जी के साथ काम कर चुकी हैं। डेथ ऑफ अ सेल्समैन और नटसम्राट जैसे नाटकों में उनके साथ मंच साझा किया है। ज्योति उन्हें थिएटर की बड़ी किताब मानती हैं।

लस्ट स्टोरीज 3 में पति-पत्नी के इंटीमेट सीन

शूटिंग का खुला राज

सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी असल जिंदगी में पति-पत्नी हैं. कपल ने वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 3' में खूब इंटीमेट सीन दिए हैं. उनकी केमिस्ट्री की तारीफ हो रही है. अब सिद्धार्थ ने सीरीज में शूट किए गए इंटीमेट सीन और सेट के माहौल को लेकर कई अहम बातें शेयर की हैं. एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि सेट पर पूरी तरह से प्रोफेशनल और कीटाणु-मुक्त (स्टराइल) माहौल होता है. शूटिंग के दौरान लगभग 20 लोग मौजूद रहते हैं और हर किसी के व्यवहार को लेकर सख्त नियम होते हैं. जिनकी सेट पर जरूरत नहीं होती, उन्हें बाहर भेज दिया दिया जाता है. सिद्धार्थ ने यह भी साफ किया कि सेट पर सुरक्षा और सहमति का पूरा ध्यान रखा जाता है. चाहे आप असल जिंदगी में पति-पत्नी ही क्यों न हों, सेट पर प्रोटोकॉल का पालन करना ही पड़ता है. सेट पर इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर्स भी मौजूद हैं जो सभी नियमों को सही तरीके से लागू करवाते हैं.

हम सभी प्रोफेशनल हैं और जो कुछ भी होता है, वह सबके सामने होता है. हमने विशाल भारद्वाज को अपने घर के बेडरूम में कैमरे के साथ आने की इजाजत नहीं दी थी. हम तो बस एक सेट पर किरदार निभा रहे होते हैं, जहां आसपास काफी लोग घूम रहे होते हैं. -सिद्धार्थ

नगालैंड की फिल्म 'अंग' को ऑस्कर में डायरेक्ट एंट्री

धर्म परिवर्तन और परंपराओं के खोने की कहानी; मराठी फिल्म गोंधल भी रेस में

नगालैंड की फिल्म 'अंग' को 2027 के ऑस्कर अवॉर्ड्स की 'इंटरनेशनल फीचर फिल्म' कैटेगरी में डायरेक्ट एंट्री मिल गई है। यह इस साल भारत की ओर से ऑस्कर जाने वाली दूसरे फिल्म होगी। इसके पहले मराठी फिल्म 'गोंधल' को भारत की ऑफिशियल एंट्री मिली थी। दरअसल, 'अंग' ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में प्लेटफॉर्म प्राइज जीता है। इसी प्राइज ने फिल्म को ऑस्कर में डायरेक्ट एंट्री दिलाई। नगा फिल्ममेकर थेजा रियो की यह फिल्म धर्म परिवर्तन से अपनी संस्कृति बचाने की कोशिश करते एक आदिवासी व्यक्ति की कहानी है। यह इस साल ळक्क्ष्म्र्ह में चुनी गई एकमात्र भारतीय फिल्म थी।

फिल्म में संस्कृति बचाने की कहानी

अंग कहानी 1960 के दशक के नगालैंड की है, जहां एक अमेरिकी मिशनरी के आने के बाद गांव की तस्वीर बदलने लगती है। अधिकांश ग्रामीण धर्म बदल लेते हैं और अपनी पुरानी परंपराओं को छोड़ देते हैं, जिससे गांव खाली सा हो जाता है। आदिवासी मुखिया (अंग्बा) है जो अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखना चाहता है, जबकि उसका बेटा इस नई जीवनशैली और धर्म की ओर आकर्षित होने लगता है।

ऑस्कर में एंट्री के साथ 20 हजार कनाडाई डॉलर का इनाम

'अंग' को ळक्क्ष्म्र्ह की प्लेटफॉर्म जूरी ने उसकी अलग सोच, बेहतरीन मेकिंग और कहानी के लिए सराहा। इस अवॉर्ड के तहत मेकर्स को 20,000 कनाडाई डॉलर का पुरस्कार मिला है। यह प्राइज हासिल करने वाली फिल्म को ऑस्कर के लिए डायरेक्ट एलिजिबिलिटी (पात्रता) मिल जाती है।

नगा कलाकारों के साथ बाफ्टा विजेता एक्टर ने किया काम

इस फिल्म में ज्यादातर कलाकार नगालैंड के स्थानीय और आदिवासी समुदाय से हैं। उनके साथ बाफ्टा अवॉर्ड (ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार) विजेता ब्रिटिश एक्टर डगलस हेनशॉल भी अहम भूमिका में हैं। 'अंग' का निर्देशन थेजा रियो ने किया है और यह उनकी 2021 में आई इसी नाम की शॉर्ट फिल्म का ही बड़ा रूप है।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी आज.. कार्तिक आर्यन, यामी को मिलेगा अवॉर्ड

72वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी आज गुजरात में आयोजित हो रही है। इतिहास में पहली बार नई दिल्ली के विज्ञान भवन की बजाए ये सेरेमनी गुजरात के केवड़िया में यानी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास होगी, जिस पर विवाद है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने इस फैसले की आलोचना की है। शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद संजय राउत ने कलाकारों से इस समारोह का बहिष्कार करने की अपील की है। विवाद के बीच सेरेमनी की तैयारियां पूरी हो रही हैं। कार्तिक आर्यन को फिल्म ह्यचंदू चैंपियनह्न और ममूटी को ह्यब्रह्मयुगह्न के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है, जिसके लिए वह गुजरात पहुंच चुके हैं। बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड यामी गौतम को फिल्म ह्यआर्टिकल 370ह्न के लिए मिलेगा, जबकि बेस्ट हिंदी फिल्म ह्यश्रीकांतह्न और बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड ह्यआर्टिकल 370ह्न को दिया जाएगा। विजेताओं की घोषणा 18 जुलाई को चुकी है, आज राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू अवॉर्ड वितरण करेंगी।

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म 'वन' विवादों में फंसी

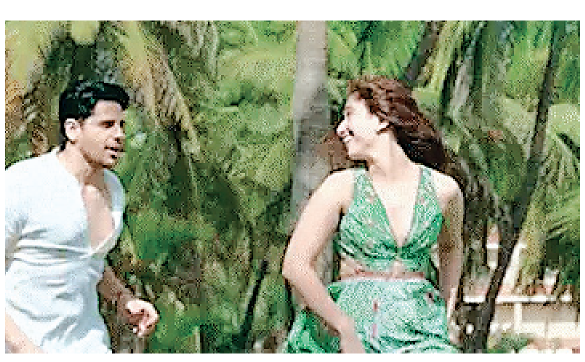

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपनी रिलीज से ठीक पहले कानूनी विवाद में फंस गई है। गायक और वोकलिस्ट सरगम वैश ने फिल्म के मेकर्स पर बिना अनुमति के ट्रेलर में उनका ओरिजिनल गाना 'ऐगिरी नंदिनी' इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

सरगम वैश ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके फिल्म की टीम से ट्रेलर से अपना म्यूजिक तुरंत हटाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पूरी न होने पर उनकी लीगल टीम कानूनी रास्ता अपनाएगी। यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बिना सहमति गाना इस्तेमाल करने का आरोप

सरगम वैश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो और पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स से सीधे सवाल किए हैं। उन्होंने लिखा कि जब उन्होंने 'वन' का ट्रेलर देखा, तो पता चला कि उनका ओरिजिनल गाना बिना उनकी सहमति या अनुमति के इसमें इस्तेमाल किया गया है।

सरगम का कहना है कि उन्होंने फिल्म के ट्रेलर या प्रमोशन के लिए अपने गाने के इस्तेमाल की कोई मंजूरी नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार के काम का सम्मान होना चाहिए और बिना इजाजत किसी का कंटेंट इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

म्यूजिक लेबल के साथ कॉन्ट्रैक्ट प्रभावित होने का दावा

गायक ने बताया कि यह मामला उनके लिए बेहद अहम है क्योंकि वे इस गाने के लिए पहले ही एक बड़े म्यूजिक लेबल के साथ डील साइन कर चुके हैं। फिल्म के ट्रेलर में बिना परमिशन गाने का इस्तेमाल होने से उनके मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट पर असर पड़ सकता है।

सरगम ने फिल्म की पूरी टीम और मेकर्स से सीधे संपर्क करने और वैध लाइसेंस होने का सबूत देने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स से इस पोस्ट को शेयर करने की अपील की ताकि बात सही लोगों तक पहुंच सके। वीडियो में सरगम वैश ने साफ किया कि अगर फिल्म की टीम उनके गाने को ट्रेलर और प्रोमोशनल मटेरियल से नहीं हटाती है, तो वे अगला कदम उठाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी लीगल टीम मामले को देख रही है और मांग न माने जाने पर कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। हालांकि, इस पूरे विवाद और आरोपों पर अभी तक 'वन' के मेकर्स, निर्देशकों या प्रोडक्शन हाउस की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

रंग भरकर चित्र बनाओ

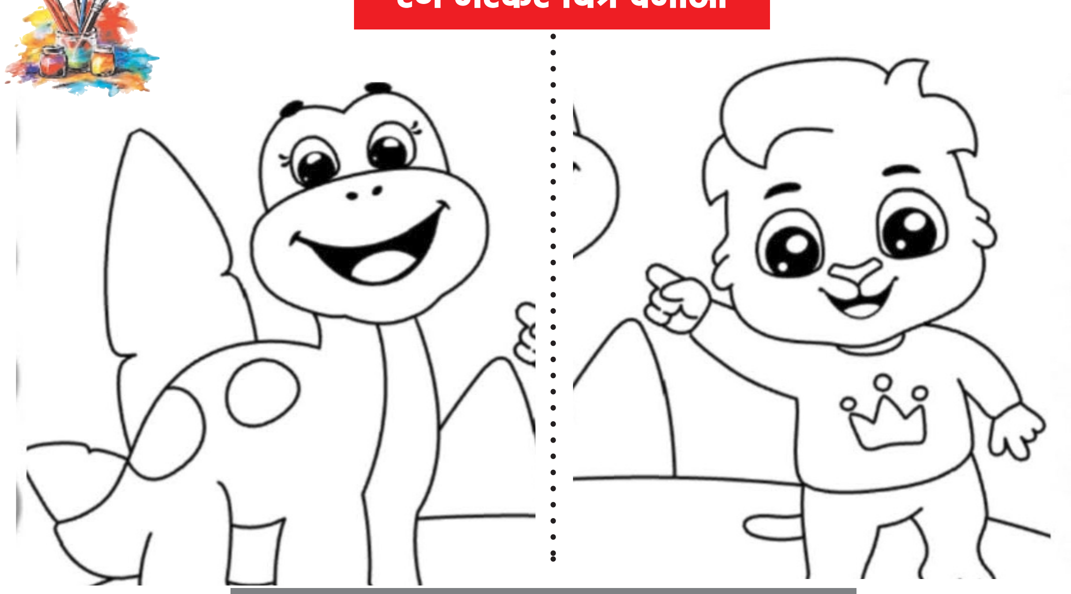

जोक्स

टीचरः संजू, बताओ इतिहास किसे कहते हैं?
संजूः सर, जब पुराने जमाने के लोग
कांड करके मर जाते थे और
हमें अब उन्हें याद करना पड़ता है,
उसी को इतिहास कहते हैं।
टीचरः चुप कर! गधे कहीं के।

ये दोस्त हर खुशी
तेरी तरफ मोड़ दूं।
तेरे लिए चांद तारे तक तोड़ दूं।
खुशियों के दरवाजे तेरे लिए खोल दूं।
इतना काफी है या
दो-चार झूठ और बोल दूं। ??

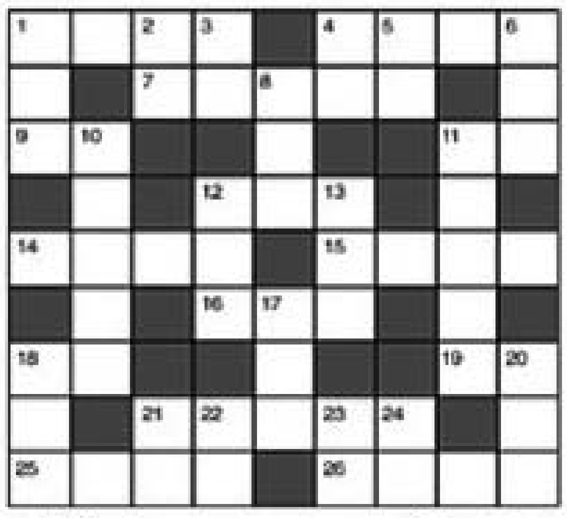

बाएं से दाएं

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधु, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, गाड़ी-2

वर्ग पहेली

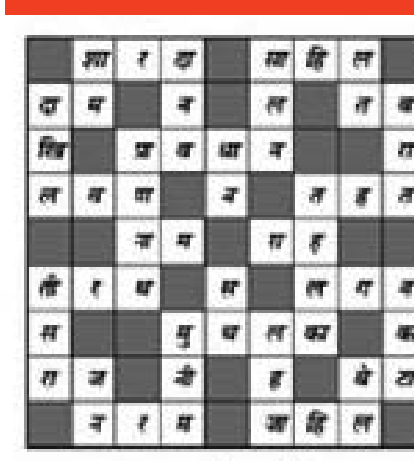

माथा पच्ची

130		5		3		5	=	28
	■		■		■		■	
65		5		2		5	=	40
	■		■		■		■	
50		25		10		20	=	15
	■		■		■		■	
15		2		2		25	=	35
=	■	=	■	=	■	=	■	=
30		25		13		30	=	18 / 48

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

शब्दजाल में प्रियंका चोपड़ा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

बल्फमास्टर, वक्त, किस्मत, ऐतराज, द हीरो, आप की खातिर, अंदाज, असंभव, प्लान, बरसात.

अष्टयोग

	4		5			1
	38	6	32	1	30	
7	5		3		4	2
1	25	2	32		34	
	1		6	7		4
3	26	4	38	5	36	
4						3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

70	+	60	-	50	-	30	=	50
-	■	-	■	+	■	x	■	-
50	-	50	+	40	+	10	=	50
+	■	+	■	+	■	+	■	+
40	x	1	+	10	-	25	=	25
-	■	x	■	-	■	+	■	+
50	+	2	-	5	x	1	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10	+	20	-	4	+	13	=	[illegible]

अष्टयोग का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	27	1	29	6	38	5
5	6	7	1	2	3	4
4	36	2	30	1	26	6
3	5	4	6	7	1	2
6	42	6	39	4	23	3
7	6	5	4	3	2	1

शब्दजाल का हल

सूडोकु बवाल

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

ट्रम्प जंग के बीच ईरानी राष्ट्रपति से मिल सकते हैं

संयुक्त राष्ट्र यानी वठ की जनरल डिबेट आज से शुरू हो रही है। यह 28 सितंबर तक चलेगी। न्यूयॉर्क में होने वाली इस बैठक में 193 सदस्य देशों के नेता या वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बार अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों की संभावित मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए तैयार हैं।

दोनों नेता ऐसे समय एक ही शहर में होंगे, जब अमेरिका और ईरान के बीच करीब 7 महीने से युद्ध चल रहा है। ऐसे में दोनों के बीच संभावित बातचीत को अहम माना जा रहा है। आसान भाषा में समझें तो यह वह मौका है जब

संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देश एक ही मंच से दुनिया के सामने अपनी बात रखते हैं।

UN में 193 सदस्य देश हैं और महासभा में हर देश का एक वोट होता है। हर साल सितंबर में इन देशों के नेता या वरिष्ठ प्रतिनिधि न्यूयॉर्क पहुंचते हैं। वे अपने देश की समस्याओं, प्राथमिकताओं और दुनिया से जुड़े अहम मुद्दों पर भाषण देते हैं। इसी प्रक्रिया को जनरल डिबेट यानी सामान्य बहस कहा जाता है। हालांकि, यहां नेता आमने-सामने बैठकर बहस नहीं करते। हर देश को UN महासभा के मंच से अपनी बात रखने का मौका मिलता है।

इसके अलावा, इस दौरान अलग-अलग देशों के नेता दूसरे देशों के नेताओं के साथ बैठकें भी करते हैं। इनमें व्यापार, सुरक्षा, युद्ध, कूटनीति और दूसरे अहम मुद्दों पर बातचीत होती है। इसलिए UN का यह सप्ताह दुनिया की कूटनीति के लिहाज से काफी अहम होता है।

ब्राजील सबसे पहले, फिर अमेरिका की बारी

जनरल डिबेट की शुरूआत ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के भाषण से होगी। इसके बाद मेजबान देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प बोलेंगे। जनरल डिबेट में सबसे पहले ब्राजील और उसके बाद अमेरिका के बोलने की परंपरा काफी पुरानी है। यह कोई लिखित नियम नहीं है। UN के शुरूआती वर्षों में कोई भी देश सबसे पहले भाषण देने की पहल नहीं करना चाहता था। ऐसे में ब्राजील ने यह जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद 1955 से जनरल डिबेट में ब्राजील के सबसे पहले बोलने की परंपरा बन गई। ब्राजील के बाद अमेरिका को बोलने का मौका इसलिए मिलता है क्योंकि वठ का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है और अमेरिका मेजबान देश है।

मुश्किल से बची लोगों की जान; ओवरटेक करने की कोशिश में हादसा

पनामा कार्गो शिप ने चीनी बोट को टक्कर मारी, नाव टेढ़ी हुई

कार्गो शिप ओवरटेक करना चाहता था

सिंगापुर के पास पनामा के झंडे वाले कार्गो शिप ने मछली पकड़ने वाली चीनी नाव को टक्कर मार दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एक बड़ा कार्गो शिप ओवरटेक करने की कोशिश में मछली पकड़ने वाली नाव से टकरा जाता है।

टक्कर के बाद छोटी नाव घूम जाती है और उसके डेक पर पानी भरने लगता है। नाव पर मौजूद क्रू के सदस्य रेलिंग पकड़कर खुद को बचाते हुए नजर आते हैं। हादसा 17 सितंबर शाम करीब 5 बजे हुआ। दोनों जहाज सुबह सिंगापुर के पास एक ही पोर्ट से रवाना हुए थे और सिंगापुर स्ट्रेट के पश्चिम की ओर जाने वाले एक ही चैनल में चल रहे थे। पनामा कार्गो शिप दरअसल मछली पकड़ने वाली नाव को ओवरटेक कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी रफ्तार करीब 3 नॉट ज्यादा थी। टक्कर के बाद भी मालवाहक जहाज करीब 2 घंटे तक 10 नॉट की रफ्तार से पश्चिम की ओर चलता रहा। इसके बाद वह रुका।

हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मछली पकड़ने वाली नाव का अक्र सिग्नल टक्कर के बाद भी मिलता रहा। इससे पता चलता है कि नाव हादसे के बाद भी चलती रही और बाद में पास के एक बर्थ तक पहुंच गई। मैरीटाइम एनालिस्ट साल मर्कोग्लियानो ने सोशल मीडिया पर कहा कि संभव है कि पनामा कार्गो शिप के रास्ते में एक तीसरा बल्क कैरियर आ गया हो। इससे छोटी मछली पकड़ने वाली नाव दो बड़े जहाजों के बीच फंस गई हो।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी जहाज की टक्कर के वीडियो में सिर्फ एक तरफ का दृश्य मिलता है, इसलिए केवल वीडियो देखकर पूरी स्थिति समझना मुश्किल होता है। पनामा मैरीटाइम अथॉरिटी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। सिंगापुर की मैरीटाइम एंड पोर्ट अथॉरिटी की ओर से अभी सार्वजनिक बयान नहीं आया है।

हादसा सिंगापुर स्ट्रेट में हुआ, यह मलक्का स्ट्रेट के करीब है। सिंगापुर और मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल हैं। ये एशिया, यूरोप और मिडिल ईस्ट के बीच समुद्री कारोबार के लिए बेहद अहम रास्ते हैं। दुनिया के करीब 40% वैश्विक व्यापार का सामान इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरता है। इसके अलावा, समुद्र के रास्ते होने वाले दुनिया के करीब एक-तिहाई तेल परिवहन के लिए भी ये रूट अहम हैं।

रोजाना बड़ी संख्या में कंटेनर शिप, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक जहाज यहां से गुजरते हैं।

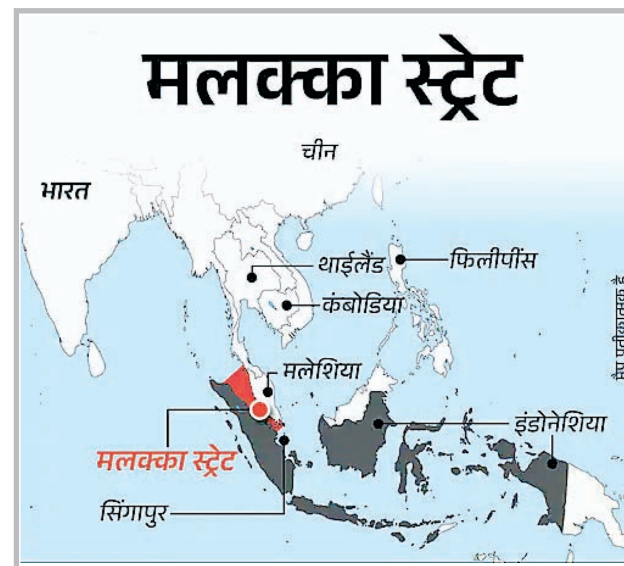

मलक्का स्ट्रेट दुनिया के व्यस्त समुद्री रास्तों में शामिल

हादसा सिंगापुर स्ट्रेट में हुआ, यह मलक्का स्ट्रेट के करीब है। सिंगापुर और मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल हैं। ये एशिया, यूरोप और मिडिल ईस्ट के बीच समुद्री कारोबार के लिए बेहद अहम रास्ते हैं। दुनिया के करीब 40% वैश्विक व्यापार का सामान इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरता है। इसके अलावा, समुद्र के रास्ते होने वाले दुनिया के करीब एक-तिहाई तेल परिवहन के लिए भी ये रूट अहम हैं। रोजाना बड़ी संख्या में कंटेनर शिप, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक जहाज यहां से गुजरते हैं।

अमेरिका में श्वेत गुट भारतीयों की जासूसी कर रहे

मिडटर्म चुनाव के दौरान हेट क्राइम 30% बढ़ने का खतरा, ट्रम्प भी बना सकते हैं इमिग्रेशन को मुद्दा

ब्रह्मास्त्र ›› न्यूयॉर्क

अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव में इमिग्रेशन विरोध बड़ा मुद्दा बन रहा है। भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के मामले 30% तक बढ़ने की आशंका है। न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में 20 साल से रेस्तरां चलाने वाले भारतवंशी मोमिन अली (बदला हुआ नाम) कहते हैं कि ट्रम्प के समर्थक श्वेत गुट भारतीयों के रेस्तरां में जासूसी करते हैं।

प्रवासियों के मुद्दे से जुड़े संगठन एपीआई ने एक मॉड्यूल का अध्ययन कर चेताया है कि नवंबर तक भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के 58 हजार होने का खतरा है। जबकि इस साल जुलाई तक भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम के 44,535 मामले सामने आए थे।

अमेरिका में चुनाव अथवा भारतीयों से जुड़ा कोई भी मुद्दा सामने आने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी एंटी इमिग्रेशन मुद्दा उठाती है। भारतीयों के खिलाफ जॉब छीनने का आरोप भी लगाया जाता है।

आइस एजेंटों को छापेमारी के लिए बुलाते हैं

मोमिन अली कहते हैं कि आइस एजेंटों की आए दिन छापेमारी बड़ी आफत बन गई है। ये लोग आइस एजेंटों को अवैध प्रवासियों के काम करने का कॉल करते हैं। आइस एजेंट रेड डालकर वैध भारतीयों को भी पकड़ लेते हैं।

छोटे से कस्बे फ्रेंडशिप में ग्रॉसरी स्टोर चलाने वाले धवल कुमार (बदला हुआ नाम) को आइस एजेंट बिना कारण बताए उठा कर ले गए। यहां के लगभग 200 लोगों ने उनके समर्थन में याचिका पर हस्ताक्षर किए तब जाकर 5 दिन बाद धवल को छोड़ा गया।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इप्सॉस-एएपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65% तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है। मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इम्तिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम पदों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80% उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके हैं। मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-टोक बढ़ सकती है।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, दावा- 28 आतंकी मारे

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया कि हमले में 28 आतंकी मारे गए। वहीं, तालिबान सरकार ने कहा कि कुनार में 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 लोग घायल हुए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि कुनार में एक घर पर हुए हमले में एक महिला और दो पुरुष मारे गए। पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में भी दो जगहों पर बमबारी हुई। यहां एक घर और दुकान को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं है। मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान इस हमले का उचित जवाब देगा। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी उसके खिलाफ हमले कर रहे हैं। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक में अमेरिका में बना Mk82 बम इस्तेमाल किया।

पाकिस्तानी मंत्री बोले- पेट्रोल 1000 रुपए तक पहुंच सकता है

ब्रह्मास्त्र ›› इस्लामाबाद

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1,000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने रविवार को कहा कि अगर देश में पेट्रोल की कमी हुई तो कीमत और बढ़ सकती है। मंत्री के मुताबिक, पाकिस्तान में पेट्रोल अब तक करीब 50% महंगा हो चुका है। फिलहाल पेट्रोल 389 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर और डीजल 424 रुपए प्रति लीटर है।

अगर पेट्रोल की कीमत 1,000 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर तक पहुंचती है, तो भारतीय मुद्रा में यह करीब ?346 प्रति लीटर होगी। मिडिल ईस्ट में लड़ाई के चलते दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। जंग 28 फरवरी को शुरू हुई थी। उस दिन पाकिस्तान में पेट्रोल 258.17 रुपए प्रति लीटर था। तब से इसमें 131 रुपए का इजाफा हो चुका है, जो कि करीब 51 फीसदी है। बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान सरकार ने बाइक, रिक्शा और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर सब्सिडी योजना शुरू की है। इसमें पेट्रोल पर 100 रुपए प्रति लीटर तक की सब्सिडी दी जा रही है।

हर पात्र व्यक्ति को महीने में 4 टोकन मिलेंगे। हर टोकन पर 500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। योजना में 1 जनवरी 2006 से रजिस्टर्ड मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं।

सरकार के मुताबिक, योजना में 17.5 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। करीब 15 लाख टोकन जारी हो चुके हैं और 6.80 लाख से ज्यादा टोकन इस्तेमाल किए जा चुके हैं।

फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान हुआ हादसा; 8 घंटे बाद मलबा मिला

कनाडा में विमान हादसे में 2 भारतीय छात्रों की मौत

ब्रह्मास्त्र ›› कनाडा

कनाडा में 18 सितंबर को एक प्लेन क्रैश में 2 भारतीय छात्रों की मौत हो गई। इसकी जानकारी भारतीय दूतावास ने सोमवार को दी। यह हादसा फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान हुआ।

इससे पहले कनाडाई न्यूज चैनल उइउ ने शनिवार को इस घटना की रिपोर्टिंग की थी। इसमें बताया गया था कि सस्केचेवान प्रांत में एक विमान हादसा हुआ है, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, जब विमान समय पर लैंड नहीं हुआ तो सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसके बाद करीब 8 घंटे बाद विमान का मलबा मिला। हादसे में

जान गंवाने वाले दोनों भारतीय छात्रों की पहचान मनोज शिवकुमार और श्रीसरण थिरुगनानासंबंथन के रूप में हुई है। दोनों के पास पायलट लाइसेंस था और वे कमर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए जरूरी उड़ान घंटे पूरे कर रहे थे। कनाडा में कमर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए 200 घंटे की उड़ान पूरी करनी होती है।

इन छात्रों ने विमान किराए पर लिया था। विमान रेजिना रवाना हुआ था और उसे सुबह 10:30 बजे स्टाइनबाक पहुंचना था। जब विमान वहां नहीं पहुंचा तो कनाडा के ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को इसकी जानकारी दी गई।

छात्रों के फ्लाइट स्कूल से जुड़ा यह तीसरा हादसा

हादसे में जान गंवाने वाले दोनों छात्र कनाडा के हार्व्स एयर फ्लाइट स्कूल से फ्लाइट ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 के बाद हार्व्स एयर फ्लाइट स्कूल से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। जनवरी 2025 में इसी स्कूल के एक इंस्ट्रक्टर को छोटे विमान के प्रोपेलर की चपेट में आने से गंभीर चोट लगी थी। उस समय एक छात्र विमान का इंजन शुरू करने की कोशिश कर रहा था।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया ट्रम्प टीवी, पहले शुरू किया था अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

डिजिटल नेटवर्क पर 24 घंटे दिखाया जाएगा सरकार का कंटेंट

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

व्हाइट हाउस ने सोमवार को ट्रम्प टीवी लॉन्च करने की आधिकारिक घोषणा की है। यह एक डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क होगा। इस नेटवर्क पर अमेरिकी प्रशासन से जुड़ा कंटेंट 24 घंटे स्ट्रीम किया जाएगी। इससे पहले साल 2021 में ट्रम्प अपने का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' शुरू कर चुक हैं।

ट्रम्प ने 18 सितंबर को CNN, MS NOW और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस से बैन करने का ऐलान किया था। ट्रम्प ने कहा था कि ये संस्थान लगातार फेक न्यूज फैला रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि भविष्य में दूसरे मीडिया संस्थानों पर भी ऐसा एक्शन हो सकता है। जनवरी 2021 में बैन पर का सामना करने के बाद ट्रम्प ने 21 फरवरी 2022 को 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था, जिसे मुख्यधारा की पाबंदियों से मुक्त अभिव्यक्ति के लिए बनाया गया है।

अभी इसके लगभग 60 लाख एक्टिव यूजर्स हैं और लेकिन अकेले ट्रम्प के इस पर 1.29 करोड़ फॉलोअर्स हैं। अमेरिकी टीवी नेटवर्क ने व्हाइट हाउस से तीन प्रमुख आउटलेट्स पर प्रतिबंध के विरोध में ट्रम्प के लाइव कवरेज को रोक दिया है। इस विवाद के परिणामस्वरूप, ट्रम्प द्वारा अपने नए व्हाइट हाउस हेलीपैड के उद्घाटन और संयुक्त राष्ट्र महासभा की उनकी यात्रा का लाइव कवरेज नहीं किया जा रहा है साल 2016 से ही ट्रम्प उठठ की खबरों को लगातार फेक न्यूज कहते रहे हैं और उनके कार्यकाल में पहले भी इस चैनल के पत्रकारों के व्हाइट हाउस पास रोके

जा चुके हैं।

इसके अलावा उन्होंने 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' जैसे बड़े और प्रतिष्ठित अखबारों पर भी अपने खिलाफ पक्षपात करने का आरोप लगाया और उन पर मानहानि के केस तक दर्ज कराए।

ट्रम्प ने इन सभी संस्थानों की रिपोर्टिंग पर खुले तौर पर सवाल उठाए और उन पर जानबूझकर गलत नीयत से खबरें चलाकर उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया।

■ वर्ष-12 अंक-319 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

द्यूतं पुस्तकवाद्ये च नाटकेषु च सक्तिता।
स्त्रियस्तन्द्रा च निन्द्रा च विद्याविघ्नकराणि षट्।।

भावार्थ : जुआ, वाद्य, नाट्य (कहानी/फिल्म), महिलाओं (या पुरुषों) से लगाव, नींद और नींद - ये सीखने में गड़बड़ी के छह रूप हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, मंगलवासरः 22 सितम्बर, 2026

आयुः कर्म च विद्या च वित्तं निधनमेव च।
पञ्चैतानि विलिख्यन्ते गर्भस्थस्यैव देहिनः।।

भावार्थ : आयुष, (स्थिर) कर्म, विद्या (शाखा का), वित्त (गौरव का), और मृत्यु, ये पांचों शरीर के गर्भ में स्थित हैं।

मध्यप्रदेशस्य पेट्रोलपम्पेषु ५ अक्टोबं तः २,००० तः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेशे पेट्रोलपम्पेषु २,००० तः अधिकस्य ईंधनस्य भुक्तिं प्रति यूपीआई-सुविधां प्रतिबन्धयितुं सज्जता प्रचलति, यत् ५ अक्टोबं-मासात् प्रभावी भवति। मध्यप्रदेश-पेट्रोल-पम्प-सङ्घः नूतन-व्यापारि-शुल्क-संरचनायाः अतिरिक्त-वित्तीय-भारस्य उद्धृत्य एषः निर्णयः कृतवान् अस्ति संघस्य अनुसारं राज्ये सर्वत्र प्रायः ४७०० पेट्रोलपम्पव्यापारिणः अस्मिन् निर्णये प्रभाविताः भविष्यन्ति। यूपीआई भुगतानं 2,000 यावत् सीमितम् संघस्य निर्णयानुसारं ५ अक्टोबं तः आरभ्य पेट्रोलपम्पेषु यूपीआई-भुगतानं केवलं २,००० पर्यन्तं स्वीकृतं भविष्यति; एतस्मात् सीमातः।

सम्पादकीयम्

सर्वकारीयविद्यालयेषु मूलभूतसुविधानां अभावः

सरकारीविद्यालयशिक्षाव्यवस्थायाः स्थितिः निटीआयोगस्य हाले प्राप्तैः आँकडाभिः प्रकाशिता अस्ति, येषु ज्ञायते यत् विगतदशके देशे सर्वकारीयविद्यालयाः ९४,००० बन्दाः अभवन् अस्मिन् एव काले सर्वकारसहायकविद्यालयानाम् संख्या ८३,००० तः ७९,००० यावत् न्यूनीभूता, छात्रनामाङ्कनस्य अपि न्यूनता अभवत्। यदि किमपि वृद्धिः अभवत् तर्हि निजीविद्यालयानाम् संख्यायां अस्ति, यत् २.८८ लक्षतः ३.३९ लक्षं यावत् वर्धितम्। अनेकेषु सर्वकारीयविद्यालयेषु मूलभूतसुविधानां अभावः अद्यत्वे देशे निजीविद्यालयजालस्य तीव्रगत्या विस्तारः भवति, यदा तु विद्यमानाः सर्वकारीयविद्यालयाः विद्युत्, जलं, फर्निचर इत्यादीनां मूलभूतसुविधानां अभावेन संघर्षं कुर्वन्ति बालैः अद्यतनविरोधैः अपि एतत् यथार्थं प्रकाशितं भवति। अन्तिमेषु दिनेषु विभिन्नस्थानेषु- लखनऊ, उन्नाव, कन्नौज, जयपुर इत्यादिषु सर्वकारीयविद्यालयेषु छात्राः वीथिषु प्रविष्टाः सन्ति। एते बालकाः यत् तेषां योग्यं तत् आग्रहं कुर्वन्ति : तेषां विद्यालयेषु समुचितसुविधाः, सुसञ्चालितव्यवस्था च। तेषां स्वराः खलु प्रभावं कुर्वन्ति; सर्वोदयविद्यालयस्य प्रबन्धने सुधारं कर्तुं यूपी-सर्वकारेण व्यापकपरिवर्तनानां निर्देशाः जारीकृताः। यदि मूलभूतशिक्षायाः आधारः दुर्बलः अस्ति...यद्यपि सम्प्रति क्रियमाणानि पदानि स्वागतयोग्यानि सन्ति तथापि अभिनयस्य पूर्वं छात्राणां वीथिं प्रति गमनस्य प्रतीक्षा वस्तुतः आवश्यकी आसीत् वा? यदि मूलभूतशिक्षायाः आधारः एतावत् भंगुरः अस्ति तर्हि भविष्यं कथं सुदृढं भवेत्?

इन्दौर-काङ्ग्रेस-सांसदः लोकसभायां विपक्षस्य च नेता राहुलगान्धी इन्दौर-नगरम् आगतः

'छत्रों की गूंज': वदति—छात्राः द्वेषं न आश्रयन्ति; ते प्रेम्णा संवादं कुर्वन्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इन्दौर

इन्दौर-काङ्ग्रेस-सांसदः लोकसभायां विपक्षस्य च नेता राहुलगान्धी शनिवासरे इन्दौर-नगरम् आगतः। सः 'छत्रों की गूञ्ज' आयोजनं सम्बोधितवान्। राहुलगान्धी इत्यनेन उक्तं यत् छात्राः द्वेषं न धारयन्ति; अपितु प्रेममूलसंवादं कुर्वन्ति। छात्राः एव—न तु व्यवस्था—देशस्य भविष्यस्य प्रतिनिधित्वं कुर्वन्ति; तथापि व्यवस्था एव तत् भविष्यं नाशयति। छात्रान् विना राष्ट्रं बलवान् भवितुम् न शक्नोति। प्रश्नान् पृच्छितुं छात्राणां स्वभावे एव भवति। सम्प्रति छात्राः दुःखिताः, दबावे च सन्ति। सः तेषां कृते व्यवस्थां आव्हानं करोति। शिक्षा प्रत्येकस्य छात्रस्य अधिकारः अस्ति। अद्य 'छत्रोन् की गूञ्ज' इत्यत्र वयं अस्य महत्त्वपूर्णस्य विषयस्य चर्चां करिष्यामः यत् व्यवस्था छात्राणां भविष्यं कथं खतरे स्थापयति।

राहुलगान्धी इत्यनेन टिप्पणी कृता यत् छात्राः व्यवस्थायाः विषये वदन्ति स्म-एषा व्यवस्था तेषां प्रति, शिक्षायाः प्रति एव वैरिणः अस्ति। सः आरोपं कृतवान् यत् एषा व्यवस्था देशं गृहीतवती अस्ति तथा च तस्य उपरि दूरभाषस्य टैपिंग् इत्यत्र प्रवृत्तस्य आरोपं कृतवान्। सः अवदत् यत् एषा व्यवस्था प्रत्येकस्य संस्थायाः पतङ्गे स्वजनं तेषां बालकान् च स्थापयति। व्यवस्था छात्रान् धमकीरूपेण पश्यति यतोहि ते प्रश्नान् पृच्छन्ति-अन्यसंस्थाः किमर्थं कार्यं कर्तुं असफलाः भवन्ति अथवा निर्वाचनआयोगः किमर्थं स्वकार्यं न करोति इति पृच्छति।

भारते प्रत्येकस्य छात्रस्य शिक्षा अधिकारः अस्ति। सः अवलोकितवान् यत् व्यवस्था 'अन्धभक्तान्' (अन्धभक्तान्) कामयति। एकः 'अन्धभक्तः' छात्रस्य प्रतिपक्षः; छात्रः प्रेम्णः विषये वदति, 'अन्धभक्तः' द्वेषं प्रसारयति। एकः 'अन्धभक्तः' दम्भपूर्णः, छात्रः तु निर्भयः। छात्रः स्त्रियाः आदरं करोति, यदा तु 'अन्धभक्तः' तेषां विरुद्धं अत्याचारं करोति। राहुलगान्धिः अवदत् यत् व्यवस्था छात्राः प्रश्नान् पृच्छितुं न इच्छति; अत एव 'अन्धभक्तानाम्' अनुकूलतां करोति, तेषां प्रचारं कृत्वा देशे सर्वत्र प्रसारयति। सः अवलोकितवान् यत्'अन्धभक्तः' कदापि प्रश्नान् न पृच्छति-कदापि न पृच्छति, उदाहरणार्थं, परीक्षापत्राणि किमर्थं लीक अभवन्-यतु छात्रः एव एतादृशान् प्रश्नान् उत्थापयति।

सः अपि अवदत् यत् व्यवस्थायाः अन्तः ये जनाः 'अन्धभक्ताः' इच्छन्ति तथापि ते स्वसन्ततिं 'अन्धभक्त' भवितुं न पालयन्ति। ते स्वसन्ततिं विदेशेषु शिक्षार्थं प्रेषयित्वा आङ्गलभाषां शिक्षयिष्यन्ति। छात्राः राष्ट्रस्य निमार्णं कुर्वन्ति। शिक्षा देशस्य आधारः अस्ति। शिक्षा न विलासः; भारते प्रत्येकस्य छात्रस्य अधिकारः अस्ति। अस्य अधिकारस्य सुनिश्चितीकरणं सर्वकारस्य कर्तव्यम् अस्ति। देशस्य शिक्षाव्यवस्था सर्वकारस्य दायित्वम् अस्ति। सरकारः शिक्षां नाशयति राहुलगान्धी इत्यनेन उक्तं यत् देशे तस्य विपरीतम् एव भवति। पूर्वं २०१४ तमे वर्षे ४.६ प्रतिशतं बजटं शिक्षायाः कृते आवंटितम् आसीत्; ततः परं सः भागः २.६ प्रतिशतं यावत् न्यूनीकृतः। ०.७ लक्षकोटिः यत् शिक्षायां गन्तव्यम् आसीत् तत् न; अपितु अरबपतिनां हस्ते एव समाप्तम्। विगतदशवर्षेषु १.५ कोटिः छात्राः छात्रवृत्तिभ्यः वंचिताः अभवन्।

प्रमुख जीएसटी धोखाधड़ी

चायविक्रेतुः मजदूरः मृतस्य च नामधेयेन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढराजधानी रायपुरनगरे वाणिज्यकरविभागेन कोटिरूप्यकाणां विशालधोखाधड़ीं ज्ञातम्। नकलीदस्तावेजानां दुरुपयोगेन, अशङ्कितानां व्यक्तिनां परिचयप्रमाणानां च दुरुपयोगेन दश नकलीसंस्थाः स्थापिताः; एतेषां संस्थानां माध्यमेन कोटिरूप्यकाणां मूल्यस्य धोखाधड़ीपूर्णं निवेशकरक्रेडिट् सम्मिलितं योजनायाः आयोजनं कृतम्। राज्यस्य जीएसटी विभागस्य शिकायतया तेलिबन्धपुलिसस्थाने मेसर्स अगस्त्य इन्टरप्राइजेजस्य स्वामिनः अमनकुमार अग्रवालस्य विरुद्धं प्राथमिकी रजिस्ट्रीकृता अस्ति।

मृतस्य व्यक्तिस्य नामधेयेन निर्मितः किरायासम्झौता वभागस्य अन्वेषणेन आश्चर्यजनकविवरणं ज्ञातम्। गरियाबन्द्-नगरे पञ्जीकृतस्य 'हुसैनी इन्टरप्राइजेस्' इत्यस्य फर्मस्य कृते ?१६.६१ कोटिरूप्यकाणां कारोबारः, २.९९ कोटिरूप्यकाणां च आईटीसी-दावाः ज्ञाताः। परिसरस्य किरायासम्झौते 'फूलसिंह' इति नामकः गृहस्वामी सूचीकृतः आसीत्, यः वास्तवतः २०१० तमे वर्षे निधनं प्राप्तवान्, यदा तु सम्झौतेः एव २०२५ तमस्य वर्षस्य मार्चमासस्य २१ दिनाङ्कः आसीत्। एतस्मिन् समये फर्मस्य स्वामित्वेन नामाङ्कितः व्यक्तिः अस्य व्यापारिकक्रियाकलापस्य विषये पूर्णतया अज्ञानस्य दावान् अकरोत् मजदूरः चायविक्रेता च कागजकम्पनीनां स्वामी निष्पन्नः।

राशिफल

मेष : अपने परिवार या रिश्तेदारों से सलाह लें, जो खराब वक्त में आपका साथ दें। आपके प्रेम संबंध मधुर बने रहेंगे।

वृषभ : अगर आप शादी के बारे में सोच रहे हैं तो आपको आर्थिक और इमोशनल तौर पर सोच-विचार करने की जरूरत है।

मिथुन : आपका पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन संतुलित रहेगा। आपको कुछ नया करने का मौका भी मिलेगा।

कर्क : आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा लेकिन आप बहुत ज्यादा पैसे नहीं बचा पाएंगे।

सिंह : आज का दिन अपने रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने का अच्छा समय है। अपने साथी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेन्ड करें।

कन्या : अगर आप अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं, तो आपको आय के अन्य स्त्रोतों के बारे में भी सोचना चाहिए।

तुला : आज आप आसानी से सफल हो जाएंगे। आपके परिवार को सहयोगी होना चाहिए ताकि यह एक टीम वर्क बन जाए।

वृश्चिक : आपको इस समय बहुत त्याग करने की आवश्यकता है ताकि आप आगे एक अच्छा जीवन जी सकें।

धनु : आज आप विकास हासिल करने में भी सफल रहेंगे, जो महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मकर : आज सब कुछ भगवान की इच्छा के अनुसार होगा. बेहतर भविष्य के लिए रचनात्मक योजना बनाएं।

कुंभ : आप उस कनेक्शन को महसूस करेंगे, जो एक साथ एक विशेष बॉन्ड बनाने के लिए आवश्यक है।

मीन : आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और स्थिर भविष्य के बारे में सोचना आपके लिए फायदेमंद होगा।

ज्योतिष/वास्तु

अक्टूबर में गुरु गोचर से बदलेगी 4 राशियों की आर्थिक स्थिति, धन, नौकरी और कारोबार में बनेंगे अच्छे योग

अक्टूबर में गुरु गोचर का असर कई राशियों के जीवन में देखने को मिल सकता है। खासतौर पर 4 राशियों के लिए धन, नौकरी और कारोबार से जुड़े मामलों में प्रगति के योग बन सकते हैं।

अक्टूबर का महीना ज्योतिष की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस महीने देवगुरु बृहस्पति अपनी राशि बदलने जा रहे हैं। 31 अक्टूबर की दोपहर गुरु कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। गुरु का यह राशि परिवर्तन इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि सिंह राशि को सूर्य की राशि माना जाता है और गुरु यहां मित्र राशि में गोचर करेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, गुरु के राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलेगा। गुरु को ज्ञान, भाग्य, धन, शिक्षा, करियर और विस्तार का कारक ग्रह माना जाता है। ऐसे में गुरु के सिंह राशि में प्रवेश से कुछ राशियों के लिए आर्थिक स्थिति में सुधार, नौकरी में नए अवसर और कारोबार में प्रगति के योग बन सकते हैं। वहीं कुछ जातकों को लंबे समय से अटके कामों में गति मिलने और भाग्य का साथ मिलने की उम्मीद रहेगी। आइए जानते हैं गुरु के सिंह राशि में गोचर से किन 4 राशियों को सबसे अधिक शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

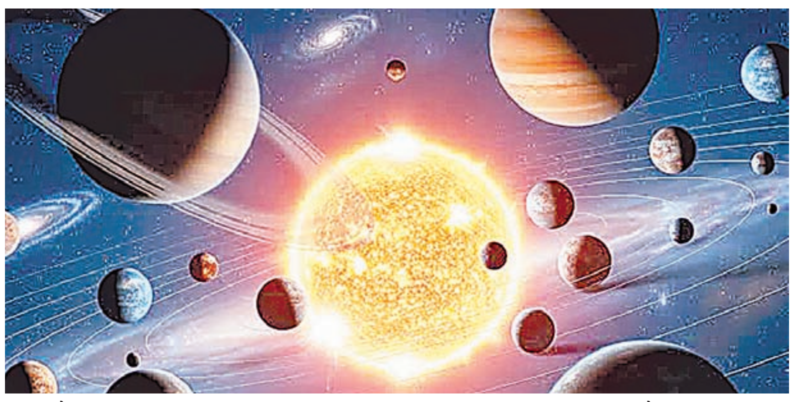

मेष राशि– मेष राशि के जातकों के लिए गुरु का गोचर पंचम भाव में होगा। कुंडली का यह भाव शिक्षा, प्रेम, संतान और रचनात्मकता से जुड़ा माना जाता है। गुरु के प्रभाव से विद्यार्थियों को पढ़ाई में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जातकों को सफलता मिलने की संभावना है। नौकरी में मान-सम्मान बढ़ सकता है और पद से जुड़ा कोई अच्छा अवसर भी मिल सकता है। नवविवाहित जातकों के लिए संतान से जुड़ी शुभ खबर मिलने के योग बन सकते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी समय अनुकूल रह सकता है और आमदनी के साथ बचत बढ़ाने के मौके मिल सकते हैं।

सिंह राशि– सिंह राशि के जातकों के लिए गुरु का गोचर उनकी राशि यानी प्रथम भाव में होने जा रहा है। इस दौरान आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर हो सकती है। साझेदारी में कारोबार करने वाले लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं और व्यापार में लाभ की स्थिति बन सकती है। लंबे समय से अटके हुए कामों में गति आने की संभावना है। कुछ जातक अपना नया कारोबार शुरू करने की योजना भी बना सकते हैं। गुरु का प्रभाव भाग्य का साथ दिला सकता है और व्यक्तिगत जीवन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

धनु राशि– धनु राशि के स्वामी स्वयं गुरु हैं और इस गोचर के दौरान बृहस्पति आपके भाग्य भाव में स्थित होंगे। ऐसे में यह समय आपके लिए कई मामलों में अनुकूल रह सकता है। करियर में बदलाव या आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या जिम्मेदारी बढ़ने से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आमदनी के नए स्त्रोत भी सामने आ सकते हैं। इस दौरान धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। कुछ जातक धार्मिक यात्रा की योजना भी बना सकते हैं।

कुंभ राशि– कुंभ राशि वालों के लिए गुरु का गोचर सप्तम भाव में होगा। यह भाव विवाह, साझेदारी और व्यावसायिक संबंधों से जुड़ा माना जाता है। गुरु के प्रभाव से साझेदारी में कारोबार करने वाले जातकों को लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार विस्तार की योजना बना रहे लोगों के लिए भी समय अनुकूल रह सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में मजबूती आने के साथ बचत और बैंक बैलेंस बढ़ाने के अवसर बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन में भी आपसी समझ और सकारात्मकता बढ़ने की संभावना है।

सेपकटकरा में मलयेशिया से हारा भारत, आज भारत के पास मेडल के 5 मौके

एशियन गेम्स- एलावेनिल-पार्थ शूटिंग के फाइनल में

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

एशियन गेम्स में मंगलवार को इलावेनिल वालारिवान और पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल किया। फाइनल में भारत का सामना कोरिया, चीन और वियतनाम से होगा।

सिंधु यामागुची से हारीं, जापान भारत के खिलाफ 1-0 से आगे- जापान ने एशियन गेम्स के महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में भारत के खिलाफ 1-0 की बढ़त बना ली है। पहले मुकाबले में अकाने यामागुची ने पीवी सिंधु को 23-21, 18-21, 21-11 से हराया। सिंधु ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन यामागुची ने अगले दोनों गेम जीत लिए।

सिंधु ने पहले गेम में 15-18 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने लंबी रैलियों में लगातार अंक जुटाए और स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और स्कोर 20-20 तक पहुंचा। यामागुची को गेम प्वाइंट मिला, लेकिन उनका क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट नेट में चला गया। सिंधु ने इसका फायदा उठाया और 23-21 से गेम जीतकर मुकाबले में 1-0 की बढ़त बनाई। दूसरे गेम में यामागुची ने वापसी की। उन्होंने 21-18 से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने शुरूआत से दबाव बनाए रखा और 21-11 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ यामागुची ने जापान को भारत के खिलाफ टीम क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त दिला दी। अब भारत के लिए अगले मुकाबले में जीत दर्ज करना जरूरी होगा।

सेपकटकरा में मलयेशिया से हारा भारत, अब अगले दोनों मुकाबले जीतना जरूरी- भारत को एशियन गेम्स के पुरुष टीम रेगु के ग्रुप बी में मलयेशिया के खिलाफ 1-2 से हार मिली। मलयेशिया ने निर्णायक तीसरे गेम में 7-0 की बढ़त बनाई। भारत ने वापसी करते हुए स्कोर 4-9 किया, लेकिन मलयेशिया ने लगातार अंक जुटाकर गेम 15-5 से जीत लिया। मलयेशिया ने पहला गेम 15-13 से जीता था। भारत ने दूसरे गेम में वापसी की और 15-11 से जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। भारत इससे पहले ग्रुप बी के शुरूआती मुकाबले में जापान से भी 1-2 से हार चुका है। अब उसे ग्रुप में बने रहने के लिए अपने अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

भारत के पास 5 मेडल जीतने के मौके- भारत के पास 5 मेडल के मौके होंगे। शुरूआती दो दिन भारत ने 6 मेडल जीते हैं, लेकिन अभी तक गोल्ड नहीं आया है। तीसरे दिन शूटिंग, वुशु और कराटे में सीधे मेडल की उम्मीद रहेगी। वहीं बैडमिंटन में महिला और पुरुष दोनों टीमें क्वार्टरफाइनल खेलेंगी। भारत के लिए दिन की शुरूआत वुशु और शूटिंग से होगी। इसके बाद कराटे में चेतन भट्ट से उम्मीद रहेगी। बैडमिंटन के दोनों क्वार्टरफाइनल होंगे, जहां भारत की महिला और पुरुष टीमों का सामना जापान से है।

रिजवान को पीसीबी ने मीडिया से बात करने से रोका

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मीडिया से बात करने से रोका है। रिजवान ने पिछले सप्ताह दो बार बोर्ड से मीडिया से बात करने की इजाजत मांगी थी। दोनों बार उनकी मांग ठुकरा दी गई। रिजवान का कहना था कि मामले को लेकर काफी भ्रम और अटकलें हैं। मामला पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की जांच से जुड़ा है। एजेंसी रिजवान से ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े आरोपों तथा उनके वित्तीय लेनदेन को लेकर पूछताछ कर रही है। इंग्लैंड दौरे के दौरान लॉड्र्स टेस्ट के बाद रिजवान और इमाम-उल-हक के फोन भी जांच के लिए लिए गए थे। दोनों के डिजिटल डेटा की फोरेंसिक जांच जारी है। इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान के प्रदर्शन और टीम के अंदर चल रही गतिविधियों को लेकर पहले से सवाल उठ रहे थे। लॉड्र्स टेस्ट के बाद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा को दौरे के बीच से वापस पाकिस्तान बुला लिया गया। इसके बाद रिजवान और इमाम को एनसीसीआईए ने पूछताछ के लिए बुलाया। 10 सितंबर को दोनों एजेंसी के सामने पेश हुए। जांच का दायरा सिर्फ क्रिकेट प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा।

तूफान की वजह से टीम इंडिया प्रैक्टिस नहीं कर सकी

आज जापान से टी-20 मुकाबला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ सानो

भारत और जापान के रिश्तों के 75 साल पूरे होने के मौके पर मंगलवार को जापान के सानो शहर में टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। मैच से एक दिन पहले बारिश और तूफानी मौसम के कारण भारतीय टीम प्रैक्टिस नहीं कर सकी। इस ऐतिहासिक मुकाबले में टीम इंडिया की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। यह मुकाबला तोचिगी प्रीफेक्चर के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

भारतीय टीम मैच से पहले जापान पहुंच चुकी है। अय्यर ने कहा कि टीम को जापान की परिस्थितियों और विकेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन वह मुकाबले के लिए तैयार है। बीसीसीआई की ओर से पोस्ट किए गए वीडियो में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अय्यर ने जापान में अब तक के अनुभव को खूबसूरत बताया। अय्यर ने कहा, यह खूबसूरत है। जब हम यहां पहुंचे, तो लोग बहुत मिलनसार, उदार और मददगार दिखे। यह व्यवहार हमें अपने घर पर भी देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, यहां का आतिथ्य शानदार है। अभी इस बारे में ज्यादा कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मैंने जापान देश और टोक्यो शहर के बारे में लोगों से बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। इसलिए यहां और घूमने का इंतजार है। अय्यर ने कहा कि जापान के खिलाफ खेलना उनके लिए रोमांचक होगा। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए रोमांचक और उत्साह से भरा मैच होने वाला है। हम पहली बार जापान के खिलाफ खेलेंगे। हमें परिस्थितियों और विकेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। फिर भी हम शानदार मैच खेलने का इंतजार कर रहे हैं।

स्पोर्ट 75 पहल की शुरूआत होगी- यह मैच स्पोर्ट 75 पहल का पहला कदम होगा। जोकि जापान और भारत के बीच खेल में सहयोग और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए शुरू की गई है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच शिखर वर्ता में इस पहल पर सहमति बनी थी। इसमें भारत के 2036 ओलिंपिक और पैरालिंपिक गेम्स होस्ट करने के एम्बिशन को भी ध्यान में रखा गया है।

जापान टी-20 इंटरनेशनल और एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर और विप्रज निगम।

खबर एक नजर...

22 साल की दो महिलाओं ने खाया जहरीला पदार्थ

उज्जैन। चरक अस्पताल में सोमवार को महाकाल थाना क्षेत्र की गणेश कालोनी में रहने वाली मुस्कान पति शशी बैरागी 22 साल को परिजनों ने जहरीला पदार्थ खाने के बाद भर्ती कराया। कुछ देर बाद ही नागझिरी थाना क्षेत्र के विक्रमनगर से अनिता पति सूरज 22 साल को भी जहरीला पदार्थ खाने से बिगड़ी हालत के बाद उपचार के लिये लाया गया। अस्पताल स्टॉफ ने दोनों की हालत ठीक नहीं होने पर संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के चलते दोनों ने अपनी जान देने का प्रयास किया है। पुलिस बयान के बाद मामला स्पष्ट हो पायेगा।

चरक अस्पताल में भर्ती महिला-पुरूष की मौत

उज्जैन। कुछ दिन पहले कोतवाली थाना पुलिस ने चरक अस्पताल के बाहर से बीमार हालत में पड़ी महिला को उपचार के लिये भर्ती कराया था। महाकाल थाना पुलिस भी रामघाट पर बीमार मिले पुरूष को उपचार के लिये चरक अस्पताल लेकर पहुंची थी। दोनों के परिजनों का कुछ पता नहीं था। दोनों अपने बारे में कुछ बता भी नहीं पा रहे थे। लावारिस होने पर दोनों का डीबीडी वार्ड में उपचार चल रहा था। सोमवार को दोनों की मौत होने पर कोतवाली और महाकाल थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया है। मंगलवार दोपहर तक दोनों के परिजनों की जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस पोस्टमार्टम कराकर शव दफनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी।

पुरानी रंजीश में युवक पर पत्थरों से किया हमला

उज्जैन। बापूनगर में रहने वाले रंजीत पिता ग्यारसीलाल सूर्यवंशी का पुराना विवाद राहुल यादव और धम्मू से चला आ रहा है। सोमवार दोपहर को आगररोड शराब दुकान के सामने राहुल और धम्मू ने रंजीत को देखा तो उसका रास्ता रोक पुराने विवाद में गाली-गलौच शुरू कर दी। रंजीत ने विवाद की शिकायत दर्ज कराने की बात कहीं तो दोनों ने पत्थरों से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। चिमनगंज थाना पुलिस ने रंजीत की शिकायत पर दोनों के खिलाफ पुरानी रंजीश में मारपीट और धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

बादशाह बिल्डिंग के पास 2 युवकों के बीच विवाद

उज्जैन। खाराकुआ थाना क्षेत्र के गंदा नाला बादशाह बिल्डिंग के पास रविवार रात अल्फेज पिता वसीमउद्दीन उस्मानी 22 साल निवासी अमरपुरा और रेहान पिता अनवर खान 19 साल निवासी महाकाल घाटी के बीच विवाद हो गया। अल्फेज ने अपने साथियों के साथ मिलकर रेहान के साथ मारपीट की। रेहान ने भी अल्फेज के साथ गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। दोनों का विवाद पुलिस के पास पहुंचा तो क्रास प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। पुलिस के अनुसार मोबाइल चलाने के दौरान मजे लेने की बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी जो मारपीट में बदल गई।

विवाद होने पर पड़ोसियों ने एक-दूसरे को मारा चाकू

उज्जैन। माकडोन के ग्राम पचौला में भंडारे के दौरान शिवपाल पिता ईश्वरसिंह सिसौदिया और उसके पड़ोस में रहने वाले राजेन्द्र पिता बाबूसिंह चौहान के बीच विवाद हो गया। दोनों ने एक-दूसरे का चाकू मार दिये। घायल होने पर दोनों पुलिस को शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के लिये अस्पताल भेजा, जहां पता चला कि दोनों को हाथ पर सेल्फ चोंट आई है। लेकिन दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस जांच शुरू होने के बाद अब दोनों समझौते की बात करने लगे है।

शंकरपुर के युवक से मिली 5 लीटर कच्ची शराब

उज्जैन। मक्सीरोड माधवपुरा के पास एक व्यक्ति द्वारा प्लास्टिक की केन में कच्ची शराब लेकर आने की सूचना मिलने पर पंवासा थाना पुलिस ने धरपकड़ के लिये घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबीर की सूचना सही साबित हुई। एक प्लास्टिक की केन लेकर आता दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने पकड़ा तो उसके पास केन में भरी पांच लीटर शराब मिली। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम धर्मेन्द्र उर्फ छोटू पिता तूफानसिंह तोमर निवासी शंकरपुर बताया। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर सोमवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। थाना प्रभारी गमरसिंह मंडलोई ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में 3 मामले दर्ज है।

पति और ससुर ने दहेज में मांगे थे 3 लाख और गाड़ी

उज्जैन। शादी के बाद दहेज में पति और ससुर 3 लाख रुपए नगद और फोर व्हीलर गाड़ी मांग रहे थे। प्रताड़ित होकर नवविवाहिता ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मायके पक्ष के बयान और जांच के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिदपुररोड थाना क्षेत्र के ग्राम बावलिया में रहने वाली रानू कुंवर ने 45 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। थाना प्रभारी रामसिंह भाबोर ने बताया कि इस दौरान सामने आया कि मृतिका की शादी को 9 माह हुये थे। वह रतलाम की रहने वाली थी, शादी के बाद उससे ससुराल वाले मायके से 3 लाख रुपए और फोर व्हीलर गाड़ी लाने की मांग कर रहे थे। पति राजपालसिंह और ससुर टीकमसिंह सिसौदिया उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। मायके पक्ष से बयान दर्ज करने पर भी पता चला कि रानू से दहेज की मांग लगातार की जा रही थी। जिसके चलते उसने मौत को गले लगाया है। थाना प्रभारी के अनुसार जांच और बयान में सामने आये तथ्यों के आधार पर पति, ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिये प्रेरित करने और दहेज के लिये प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कर राजपालसिंह और टीकमसिंह सिसौदिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

दिन	679-2	455-4
मेन बाजार	239-4	580-3
मिलन डे	345-2	345-2
मिलन नाइट	190-0	178-6

3 4 7

पार्किंग कर्मचारियों ने बरती लापरवाही, 12 ठेका कर्मी हटाए गए

उडीसा के श्रद्धालुओं ने देर रात निजी यज्ञ शाला में किया था हवन

मंदिर समिति की जांच जारी, अब यज्ञ, हवन की रात 8 बजे अंतिम बुकिंग होगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

प्रसिद्ध तांत्रिक मंदिर मां बगलामुखी नलखेड़ा के पास बरसाती नाले में कार बहने एवं उडीसा के 8 श्रद्धालुओं की मौत के मामले में मंदिर प्रबंध समिति जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आ रहा है कि उडीसा के श्रद्धालुओं ने प्रायवेट स्थान पर देर रात हवन किया था और लौटने के दौरान वे हादसे का शिकार हो गए। खास यह है कि वाहन चालक क्षेत्र से खासा परिचित था उसके बाद भी उसने बरसाती नाले में कार को डाल दिया और वह बह गई।

शुक्रवार देर रात को उफनते बरसाती नाले में उडीसा के श्रद्धालुओं की कार बह गई थी। इसमें कार चालक सहित 8 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। शनिवार रात को पोस्टमार्टम के बाद उडीसा के खोरदा जिले के लिए शवों को वातानुकुलित एवं आधुनिक संसाधनों से लेस एक बडी एवं दो छोटी एंबुलेंस में रवाना किया गया था।

जांच में प्रायवेट यज्ञ शाला में हवन की स्थिति सामने आई- घटना के बाद मंदिर समिति पूरे मामले की जांच में लगी हुई है। इसमें प्रारंभिक रूप से सामने आया है कि उडीसा के श्रद्धालुओं ने देर रात को मंदिर के बाहर की प्रायवेट यज्ञ शाला में हवन किया था। वाहन मंदिर की पार्किंग में ही खड़ा किया था। मंदिर की पार्किंग में तीन शिफ्टों में 4-4 ठेका कर्मचारियों को नियुक्त किया था। जिनका काम पार्किंग में आने वाले वाहनों पर नजर रखना एवं व्यवस्था को बराबर बनाए रखना और श्रद्धालुओं को जानकारी देना था। इनकी लापरवाही सामने आने पर इन सभी 12 ठेका कर्मियों को सेवा से पृथक कर दिया गया है।

25 ठेका कर्मी रखेंगे क्षेत्र में नजर

अब मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र एवं यज्ञ हवन शालाओं पर 24 घंटे नजर रखने के लिए 25 नए कर्मियों को तैनात किया जा रहा है जो रात्रि 8 बजे अंतिम बुकिंग होने वाली मंदिर में हवन एवं यज्ञ पर रात 9.30 बजे तक नजर रखेंगे। इसके साथ ही आसपास संचालित होने वाले प्रायवेट हवन यज्ञ शालाओं को भी समयबद्ध संचालित करने के आदेश का पालन करवाएंगे। मंदिर प्रबंध समिति के निर्णय पर नाले पर वर्तमान में लगी रैलिंग को नया और उंचा किया जा रहा है। दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए मंदिर एवं आसपास के क्षेत्र में वाइस रेकार्डिंग सीसी टीवी कैमरा लगाए जा रहे हैं। सतत रूप से 25 कर्मचारी 8-8 घंटे की शिफ्ट में पेट्रोलिंग पूरे क्षेत्र में करेंगे। बरसाती नाले पर नए एवं उंचे पुल के निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन स्तर पर भेजा जाना प्रस्तावित किया गया है।

अब रात 8 बजे बाद नहीं होगी यज्ञ, हवन की बुकिंग

दुर्घटना के बाद नलखेड़ा मां बगलामुखी मंदिर प्रबंध समिति एक्शन मोड पर आ गई है। हवन एवं यज्ञ के लिए मंदिर की यज्ञ शाला में अब रात 8 बजे तक स्लाट बुक किए जा सकेंगे और अधिकतम 9.30 बजे तक हवन यज्ञ, अनुष्ठान संपन्न करना होंगे। इसका पालन प्रायवेट यज्ञ शाला संचालकों को भी करना होगा। मंदिर प्रबंध समिति के सचिव एवं तहसीलदार ने इस आशय का आदेश जारी किया है। आदेश अवज्ञा की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई का हवाला दिया गया है।

महिदपुर के आरक्षक को मनवीयता का मिला इनाम

चलती गाड़ी में सीपीआर देकर महिला की बचाई जान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

डायल 112 पर मिले इवेंट पर पहुंची पुलिस को भीड़ के बीच महिला बेहोश पड़ी दिखाई दी। उसे एफआरवी में डाला गया, उसकी हालत गंभीर दिखाई दे रही थी। चलती गाड़ी में आरक्षक ने उसे सीपीआर दिया, अस्पताल पहुंचने पर महिला की जान बच गई।

महिदपुर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि डायल 112 पर इवेंट मिला था कि डाबली खम्मा में एक महिला बेहोश पड़ी है। एफआरवी पायलेट मुकेश परमार, आरक्षक मोसिन मंसूरी और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य मौके पर पहुंचे। सड़क पर बेहोश पड़ी महिला के आसपास काफी भीड़ लगी थी। आरक्षक और नगर सुरक्षा समिति सदस्य ने लोगों को हटाया और महिला को उठाकर एफआरवी में डाला। महिला की हालत चिंताजनक बनी हुई थी उसी सांसे उखड़ रही थी।

आरक्षक मोसिन ने चलती गाड़ी में उसे सीपीआर देना शुरू किया। करीब 5 से 7 मिनट तक सीपीआर देने के बाद महिला की सांसे चलने लगी थी। पायलेट तेजी के साथ अस्पताल पहुंचा। तत्काल महिला को उपचार के लिये भर्ती किया। डॉक्टरों ने परीक्षण किया तो महिला का शुगर लेवल काफी कम होना पाया गया, वह गर्भवती थी। डॉक्टरों ने बताया कि सही समय पर अस्पताल पहुंचने पर महिला की जान बच गई है। आरक्षक ने महिला के परिजनों का पता लगाने के प्रयास शुरू किये। कुछ देर बात पता चला कि महिला ग्राम ग्राम बम्बोरी थाना घटिया की रहने वाली संतोषी कुंवर पति समरथ सिंह है। परिजन जानकारी मिलने पर महिदपुर शासकीय अस्पताल पहुंच गये थे।

पति से मिलने आई थी उपजेल

थाना प्रभारी ने बताया कि महिला के परिजनों से चर्चा में सामने आया कि संतोषी कुंवर का पति एक अपराधिक मामले में महिदपुर की उपजेल में कुछ महिनों से बंद है। संतोषी कुंवर अकेली घट्टिया से बस में पति से मिलने जेल आई थी। वापस लौटते समय उसकी तबीयत बिगड़ी है। थाना प्रभारी के अनुसार महिला की हालत अब पूरी तरह से ठीक है।

एसपी ने की तत्परता और मानवीयता की सराहना

डायल 112 पर इवेंट मिलने और तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला की जान बचाने के लिये सीपीआर देने वाले आरक्षक की तत्परता और मानवीयता की एसपी प्रदीप शर्मा द्वारा सराहना की गई है। आरक्षक को 10 हजार का केश रिवार्ड देने की घोषणा की गई है। पुलिस विभाग में सभी को समय-समय पर सीपीआर के साथ आमजन की सुरक्षा को लेकर ट्रेनिंग दी जाती है। उसी का परिणाम रहा कि आरक्षक ने महिला की जान बचा ली।

पुलिस ने किया फ्लैग मार्च....

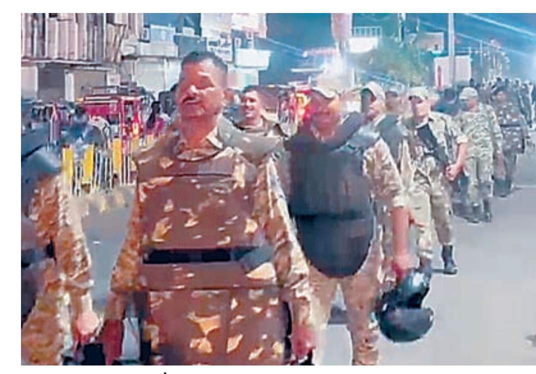

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

फूल डोल चल समारोह और बाबा कालभैरव की सवारी से पहले सोमवार देर शाम पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की विशेष तैयारियों के बीच कालभैरव क्षेत्र और फूल डोल चल समारोह मार्ग पर पुलिस प्रशासन द्वारा मार्च कर धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया है। पुलिस आमजन से अपील करती है कि आगामी धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति एवं सद्भाव बनाए रखें, प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

सूना मकान देख नाबालिग ने दिया था चोरी को अंजाम

चार दिन में खुलासा, 90 हजार के आभूषण बरामद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सूने मकान में हुई चोरी का सुराग सीसीटीवी कैमरों से मिलते ही पुलिस ने नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर 90 हजार के आभूषण और 6 हजार रुपए नगद बरामद किये गये है।

जयसिंहपुरा गणेश कोलानी में सूने मकान से सोने का लॉकिट, चांदी का कंदोर और नगद राशि चोरी होने का मामला 17 सितंबर को महाकाल थाना पुलिस के पास पहुंचा था। मकान में रहने वाली ममता पति मनोज अटनेरिया ने बताया कि वह प्रायवेट काम करती है और 16 सितंबर को शहर से बाहर सारंगपुर गई थी। वापस लौटने पर चोरी का पता चला। थाना प्रभारी गगन बादल ने चोरी में शामिल बदमाशों का पता लगाने के लिये प्रधान आरक्षक शैलेष योगी, आरक्षक शशांक बनाफर को अलर्ट किया। गणेश कालोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये। जिसमें संदेही नाबालिग दिखाई दिया, जो गणेश कालोनी का रहने वाला सामने आया। उसे पकड़ा गया और पूछताछ शुरू की गई। उसने पहले पुलिस को बरगलाने का प्रयास किया उसका कहना था कि मकान उसका ही है, ममता आंटी किराये से रहती है। लेकिन फुटेज के आधार पर संदेह बना होने पर उससे मनोवैज्ञानिक तरीके से जानकारी जुटाई गई। उसने चोरी करना कबूल कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि नाबालिग की निशानदेही पर 10 ग्राम सोने का लॉकिट और 300 ग्राम वजनी चांदी का कंदोर बरामद किया गया है। 15 सौ रुपए नगद भी मिले है। बरामद आभूषणों की कीमत 90 हजार रुपए है। मामले में नाबालिग के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है।

चरक में मृतक के परिजनों का हंगामा, 2 युवकों से मारपीट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मक्सीरोड पर रात में हुई सड़क दुर्घटना के बाद मृतक को चरक अस्पताल लेकर पहुंचे युवकों के साथ मारपीट की गई। आरोप मृतक के परिजनों पर लगा। हंगामा होने की सूचना मिलने पर पुलिस चरक अस्पताल पहुंच गई थी।

बताया जा रहा था कि पंवासा थाना क्षेत्र के गरोठ ब्रिज पर दुर्घटना में शैलेन्द्रसिंह कुशवाह निवासी सेठीनगर गंभीर घायल हो गया था। उसके साथ लक्की धानक और अमन थे। दोनों ने घटना की सूचना अपने दोस्तों के साथ घायल के परिजनों को दी और शैलेन्द्रसिंह को अस्पताल के लिये लेकर रवाना हुये। रास्ते में एम्बुलेंस मिल गई, जिसके माध्यम से चरक अस्पताल लाया गया। दुर्घटना में घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंच गये थे। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद शैलेन्द्रसिंह को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को गुस्सा भड़क गया और उन्होंने अस्पताल में लक्की धानक और उसके जीजा मनीष तंवर के साथ मारपीट शुरू कर दी। हंगामा होते ही अफरा-तफरी का महौल बन गया। अस्पताल स्टॉफ की सूचना पर तत्काल कोतवाली थाना पुलिस पहुंची, मारपीट का शिकार हुये दोनों युवकों को बचाया गया और इमरजेंसी कक्ष के पास चौकी में बंद किया। कुछ देर में खाराकुआ-देवासगेट पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई थी। घायल को अस्पताल लाने वाले युवकों के साथ मारपीट करने वाले निकल गये थे। मामले की सूचना पंवासा थाना पुलिस को दी गई। देर रात पुलिस अस्पताल पहुंची और मारपीट का शिकार हुये लक्की धानक और उसके जीजा मनीष तंवर को अपने साथ थाने ले गई। जहां दोनों से पूछताछ कर घटनाक्रम का पता लगाया जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी सामने आई है कि मृतक और परिजनों के आक्रोश का शिकार बने युवक साथ में शराब पीने गये थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना कार से होना सामने आया है।

पुलिस ने जुलूस निकाला तो लगे जिंदाबाद के नारे

बापूनगर में चाकूबाजी करने वाले आरोपियों को भेजा जेल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आगररोड पर चाकूबाजी करने और मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस रात में बापूनगर लेकर पहुंची थी। पुलिस ने अपने अंदाज में दोनों बदमाशों को क्षेत्र में घुमाया। बदमाशों को डंडे पड़ते देख क्षेत्रवासियों ने पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया।

चिमनगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात रेती मंडी के पास मकोडियाआम पर कुछ बदमाशों ने नवीन पिता महेन्द्रसिंह चौहान के साथ मारपीट की थी और बापूनगर आकर यश राठौर तिलकेश्वर कालोनी और भोला निवासी भैरूनाला को चाकू मार दिये थे। घटनाक्रम के बाद घायलों से पूछताछ में चाकू मारने वालों के नाम गोलू खटीक और दुर्लभ उर्फ निवासी बापूनगर सामने आये थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर रविवार को गिरफ्तार कर लिया और दोनों को रात में बापूनगर घटनास्थल लेकर पहुंची। जहां पुलिस ने अपने अंदाज में जुलूस निकाला। बदमाशों को पुलिस डंडे मार रही थी उसी दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों बदमाशों की क्षेत्र में दहशत थी लेकिन पुलिस का अंदाज देख लोगों ने पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर चाकू बरामद किये। सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है। दोनों आरोपी अपराधिक प्रवृति के है, जिनके खिलाफ पूर्व में प्रकरण दर्ज है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी में घायल भोला को सीने और पेट में गहरे घाव लगे थे, उसका निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ है। फिलहाल हालत खतरे से बाहर है।

नारायणरोड पर मिला चोरी का प्रयास करने वाला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

दुकान की दीवार में छेद कर चोरी का प्रयास करने वाला 24 घंटे बाद नारायणारोड पर घूमता मिल गया। पुलिस ने उसकी पहचान कैमरों के माध्यम से कर उसे पकड़ा है।

महिदपुर थाना क्षेत्र के सेंट जोसेफ के पास शंकरसिंह मोटर वाईडिंग की दुकान संचालित करता है। 18 सितंबर की शाम तबीयत खराब होने दुकान बंद कर घर चला गया था। दूसरे दिन जीजा जुझारसिंह के साथ दुकान पहुंचा और ताला खोला तो अंदर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा दिखाई दिया। दुकान के पीछे दीवार में बड़ा छेद था। रात में अज्ञात बदमाश द्वारा चोरी का प्रयास किया गया था। शंकरसिंह ने मामले की शिकायत थाने पहुंचकर की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे। जिसमें चोरी का प्रयास करने वाला दिखाई दिया। उसकी तलाश शुरू की गई। 24 घंटे बाद उक्त बदमाश नारायणारोड पर घूमता हुआ दिखाई दिया। मुखबीर से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने टीम को रवाना किया। फुटेज में दिखाई दिया युवक घूम रहा था उसे हिरासत में लिया और थाने लाया गया। पूछताछ में उसका नाम अर्जुन पिता मोहनलाल 36 साल निवासी ग्राम बछोड़ा नागदा पता चला। उसने कबूल किया कि वह छोटी-छोटी चोरी करता है, लेकिन अब तक पकड़ा नहीं गया है। उसका अपराधिक रिकार्ड खंगालने पर सामने नहीं आया। उसके खिलाफ चोरी के प्रयास का मामला दर्ज किया और कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उपजेल महिदपुर भेजा गया है।

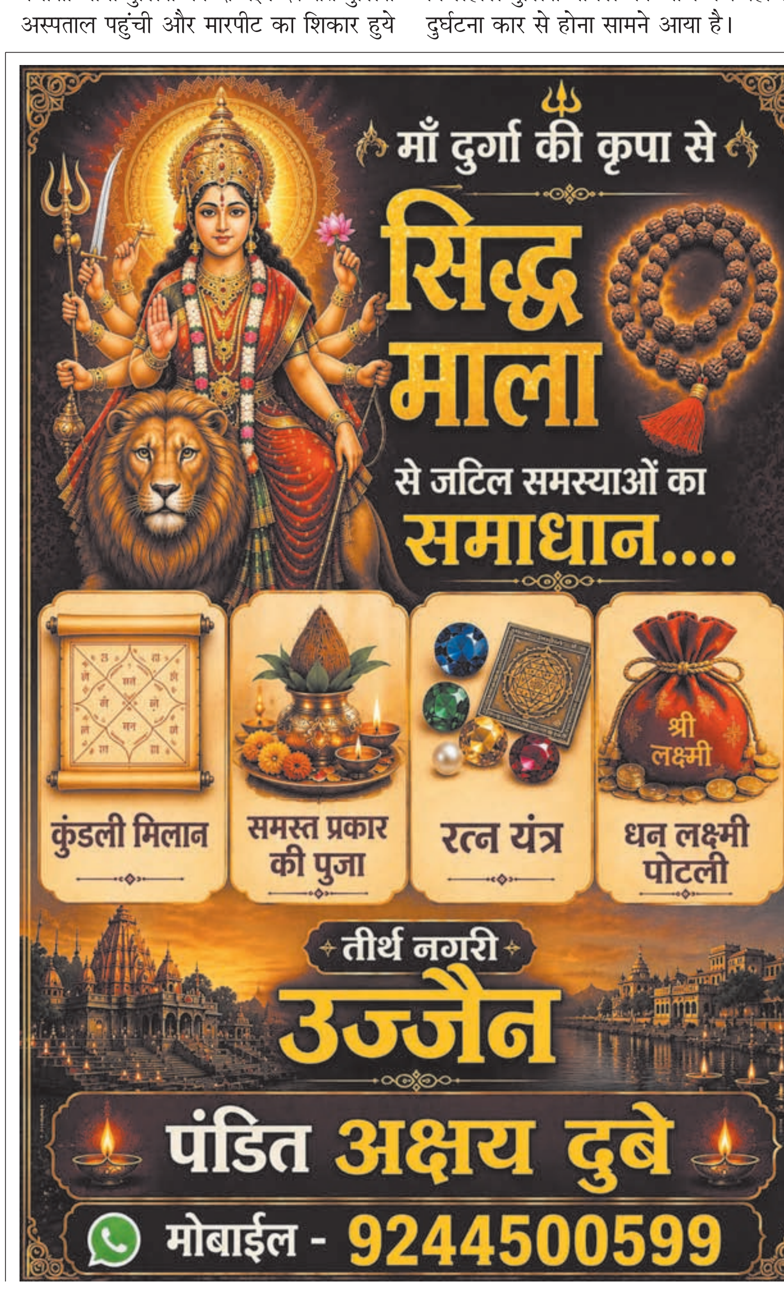

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com